ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 321 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 मई 2025 सोमवार

आज का मौसम
38 अधिकतम
26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

भोपाल से दिल्ली तक भाजपा पर निगाहें, विजय शाह के मामले पर सुप्रीम सख्ती बरकरार

'लॉ विल टेक ऑन कोर्स' की राह पर भाजपा

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

'लॉ विल टेक आन कोर्स' अंग्रजी के इस मशहूर जुमले का चलन 1991 में नरसिंहराव की अगुआई में बनी कांग्रेस की सरकार के दौरान बेहद तेजी से हुआ। जब कांग्रेस गठजोड़ के साथियों पर आपराधिक चार्ज लगने लगे तो नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने या लेने के जगह इस नए वैकल्पिक प्रयोग की शरूआत हुई जिसका सिलसिला 2014 तक कांग्रेस की यूपीए सरकार तक खूब चला।

'लॉ विल टेक यू आन कोर्स' यानि इसे शुद्ध शब्दों में कहें तो इसका मतलब बोता था कि कानून अपना कम करेगा हम कोई फैसला नहीं लेंगे। मकसद साफ था कि गठजोड़ सरकारों के मुखिया अपनी सरकार को बचाने के लिए ऐसे कोई कड़े राजनीतिक फैसले नहीं लेगी जिससे उसकी या उसकी सरकार की सेहत पर कोई आंच आए। सारा कुछ अदालती फैसले की आड़ में किया जाए। यानि प्रकारांतर से राजनीतिक मुखिया अदालतों से वह काम कराने लगे जो उसे खुद करना चाहिए था।

कांग्रेस ने इस जुमले के सहारे अपनी सरकारों को खूब बचाया और चलाया। लेकिन नैतिकता और शुचिता के मामले में कड़े फैसले लेने वाली भाजपा और उसकी सरकारों ने इस जुमले से परहेज करते हुए सीधे फैसले लिए। लेकिन मध्यप्रदेश के कद्दावर आदिवासी मंत्री और आदिवासी रियासत से ताल्लुक रखने वाले नेता विजय शाह के मामले में वह भी कांग्रेस के फंडे पर आ गई। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की दो सदस्यीय बैंच के आदेश आधे अधूरे मन से फैसला तो ले लिया लेकिन विजय शाह से इस्तीफा लेने या बर्खास्त करने के फैसले पर उसके हाथ कांप उठे। पहले हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद भी सरकार प्रदेश के आदिवासी वोट बैंक की खातिर विजय शाह को हटाने की जुर्रत नहीं कर सका। अब सरकार आज सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान दिए जाने वाले निर्देशों की प्रतीक्षा में रही। अब यदि कोर्ट के आदेश के बाद हटाने की नौबत आई तो पार्टी आदिवासी समाज के बीच यह कहकर अपनी चमड़ी बचा लेगी कि उसने तो शाह को बचाने के खूब जतन किए लेकिन अदालत के सामने भला क्या किया जा सकता था। भारत सेना की प्रवक्ता सौफिया कुरैशी पर हमले के मामले में मंत्री उषा ठाकुर ने यह कह कर मामले में रफू करने की कोशिश की कि विजय शाह दरअसल उन्हें अपनी बहन कहना चाहते थे लेकिन उनकी जुबान फिसल गई। वे अपनी की बजाए उनकी यानि पाकिस्तान और उसके आतंकियों की बहन कह बैठे।

देवड़ा के मामले में भी यही रवैया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की चापलूसी के लिए पराकाष्ठा की हद तक जाकर देश की सेना के अपमानित को करने वाले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और दलित नेता जगदीश देवड़ा को लेकर भी भाजपा कोई साहस भरा फैसला नहीं कर सकी। देवड़ा ने जबलपुर में सिविल डिफेंस के वालिंटियर्स के बीच कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने जिस तरह की लड़ाई लड़ी है,उसके लिए भारतीय सेना और देश के नागरिकों को मोदी के चरणों में नतमस्तक रहोना चाहिए। जब सरकार प्रदेश भाजपा संगठन ने फटकार लगाई तो देवड़ा ने मीडिया बुलाकर उस पर ही यह तोहमत जड़ डाली कि मीडिया ने उनके बयान को गलत पेश किया है। उनकी खैफियत थी कि उन्होंने तो पाक पर जीत के लिए देश के नागरिकों को देश की सेना का चरण वंदन करना चाहिए। मोदीजी ने निश्चित तौर पर पाकिस्तान को घुटनों पर लाने के लिए अपनी रणनीति और डोभाल जैसे राष्ट्रीय सलाहकार के साथ सेना के मुखियाओं के साथ रणनीति बनाकर उन्होंने दुशमन सेना को निढाल करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी लेकिन मोदी जी को शायद ही देवड़ा की यह चापलूसी पसंद आई होगी। वैसे भफी सबको पता है कि देश की सेना का मुखिया राष्ट्रपति होता है। देवड़ा प्रसंग के पटाक्षेप के लगा कि भाजपाई बेवजह की बयानबाजी से बाज आएंगे लेकिन अब मनगवां के भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति ने यह बयान दे डाला कि यूएनओ ने भारत पाक जंग को रूकवया। जबकि उसका भारत पाक की जंग से दूर-दूर तक लेना देना नहीं हैं। जब उन्हें झिडकी तो उन्होंने बयान को बदलते हुए कहा कि उनका मकसद यूएस प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप से था। जबकि ट्रंप खुद मोदी जी के भाषण के बाद खुद पलटी मारकर मुकर चुके हैं कि उन्होंने युद्ध रुकवाया।

रामगोपाल पर योगी की पुलिस मौन

सौफिया कुरैशी को अपमानित बयान पर हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान ले लिया लेकिन भारतीय सेना की दूसरी प्रवक्ता व्योमिका सिंह की जाति पर सवाल उठाने वाले समाजवादी पार्टी के थिंक टैंक रामगोपाल यादव पर यूपी पुलिस मौन है। जबकि व्योमिका को अनुसूचित जाति के तहत आने वाले गौर कानूनी जातिसूचक शब्दों के साथ यह दावा भी किया कि पाक को भारत ने नहीं बल्कि मुस्लिम, यादव और दलितों ने हराया। यह भी देश का अपमान है यब जीत तो पूरे देश की जीत है। लेकिन न तो योगी और उनकी पुलिस ने कोई कड़ा कजम उनके खिलाफ उठाया।

यह सब बचने के लिए..शाह की माफी नामंजूर, सुप्रीम कोर्ट ने बनाई एसआईटी

नई दिल्ली एजेंसी। मप्र के काबीना मंत्री विजय शाह को कोर्ट ने 'माफी' देने से इंकार कर दिया है। कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिये गये बेहद अमार्यदित बयान पर बुरी तरह घिरे मामले में आज सुप्रीम कोर्ट ने तीन आईपीएस अफसरो की एसआईटी बनाकर जांच के निर्देश दिये हैं यह तीनो आईपीएस अफसर भी मप्र कांडर से बाहर के ही होंगे। इनमें एक महिला आईपीएस अफसर भी शामिल रहेंगी। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की, कि शाह कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिये माफी मांग रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि शाह ने अपने खिलाफ 14 मई को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ओर से दिए गए एफआईआर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्हें तत्काल गिरफ्तारी से राहत मिल जाएगी।

आज सुनवाई के दौरान शाह के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट ने माफी मांग ली है। इस पर कोर्ट ने कहा कि कभी-कभी माफी बचने के लिए मांगी जाती है, तो कभी-कभी ये मगरमच्छ के आंसू जैसी होती है। अदालत ने कहा कानून अपना काम करता रहेगा हम इस मामले पर करीब से नजर रखेंगे। हम एसआईटी को निर्देश देते हैं कि वह इस जांच के नतीजे स्टेटस रिपोर्ट के जरिए पेश करें। इस मामले पर एसआईटी पहली रिपोर्ट 28 मई को पेश करेगी। इससे पहले जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने पूछा कि आपने क्या माफी मांग ली है? कोर्ट ने कहा कि आपने क्या कहा और क्या माफी मांगी, उसके वीडियो दिखाइए? हम जानना चाहते हैं कि आपने कैसे माफी मांगी है। कोर्ट ने विजय शाह के वकील मनिंदर सिंह से कहा कि हमें आपकी ऐसी माफी नहीं चाहिए। आप पहले गलती करते हैं फिर कोर्ट चले आते हैं। आप जिम्मेदार नेता हैं। आपको सोच समझकर बोलना चाहिए लेकिन आपने बहुत घटिया भाषा अपनाई है। हम आपकी माफी की अपील खारिज करते हैं। आपने सिर्फ इसलिए माफी मांगी है क्योंकि कोर्ट ने कहा है। आपने 12 मार्च को ये बयान दिया, आपको पता था कि जब जनता की भावनाएं सेना के पराक्रम और देश के साथ थीं तब आपने ऐसी घटिया भाषा सार्वजनिक तौर पर अपनाई।

अब इस निर्णय के बाद अब भाजपा पर भी शाह के मामले में फैसले लेने का दबाव बढ़ सकता है, हालांकि शाह की गिरफ्तारी अभी टल गई लगती है। मप्र में शाह के इस्तीफे या बर्खास्तगी की मांग पहले ही जोर पकडी हुई है। देशभर में इस मामले को लेकर भाजपा को भी बैकफुट पर आना पड़ा है।

कई दिन से सतर्क भाजपा पर अब निगाहें

भारतीय सेना में कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देकर मुसीबत में फंसे मप्र के कैबिनेट मंत्री विजय शाह के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सियासी नजरिए से बहुत अहम हो गई थी। अब भाजपा के भोपाल से दिल्ली तक के गलियारों में इसी मामले पर निगाह है। शाह ने अपने खिलाफ 14 मई को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ओर से दिए गए एफआईआर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने विजय शाह की याचिका पर 16 मई को सुनवाई की थी। इसमें अगली सुनवाई की तारीख 19 मई तय की गई थी। हालांकि तब भी कोर्ट ने उन्हें कड़ी नसीहत दी थीं। इधर शाह पर इस्तीफे का दबाव है, मगर पार्टी कोर्ट के फैसला आने की बात कहती आई है।

दरअसल,शाह ने 11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में हलमा कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था, उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदीजी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा...। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर ले सकते हैं।

अलर्ट : 14 राज्यों में मौसम का मिजाज खराब, 7 मौतें भी

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने आज मप्र,झारखंड समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। वहीं, राजस्थान में धूलभरी आंधी के साथ हीटवेव की चेतावनी है। मप्र में कुछ स्थानों पर बारिश होगी। उधर बिहार में गत दिवस 6 लोगों की मौत हो गई।

इनमें 5 की बिजली गिरने और एक महिला की मौत पेड़ गिरने से मौत हुई।चार लोग घायल हैं। राजस्थान में भीषण गर्मी का असर है, यहां अगले 4 दिन गर्मी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उधर, कश्मीर के बारामूला, शोपियां समेत कई जिलों में देर रात तेज आंधी चली। इसमें कई घरों को नुकसान पहुंचा और पेड़ भी उखड़ गए। पेड़ गिरने से एक लड़की की मौत हो गई, बेंगलुरु में कई इलाकों में 110 मिमी. से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। जिससे सड़कों और घरों में पानी भर गया। यहां तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

सीजेआई महाराष्ट्र में प्रोटोकॉल की अवहेलना से नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद पहली बार गृह राज्य महाराष्ट्र पहुंचे सीजेआई बीआर गवई ने प्रोटोकॉल का पालन न करने पर नाराजगी जताई है। दरअसल, सीजेआई की अगवानी के लिए मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक या मुंबई पुलिस आयुक्त में से कोई भी मौजूद नहीं था। जस्टिस गवई महाराष्ट्र और गोवा

बार काउंसिल की ओर से आयोजित सम्मान समारोह के लिए मुंबई में थे। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र से आने वाले मुख्य न्यायाधीश गवई, केजी बालाकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित हैं। सीजेआई ने कहा कि वह ऐसे छोटे मुद्दों पर ध्यान नहीं देना चाहते लेकिन जब किसी अंग या संस्था का प्रमुख पहली बार राज्य में आ रहा हो, खासकर जब वह भी उसी राज्य का हो, तो उनके साथ किया गया व्यवहार सही था या नहीं, यह उन्हें स्वयं सोचना चाहिए।

बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हड्डियों तक फैला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हो गया है। यह अब हड्डियों तक फैल चुका है। बाइडेन के ऑफिस ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। बताया जाता है कि 82 साल के बाइडेन ने पिछले हफ्ते पेशाब में दिक्कत होने पर डॉक्टर को दिखाया था। जांच के बाद उन्हें इस बीमारी का पता चला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन की बीमारी को लेकर कहा- मेलानिया और मैं उनकी

बीमारी के बारे में जानकर दुखी हैं। हम बाइडेन और उनके परिवार के लिए दुआ करते हैं और जो बाइडेन के जल्दी और पूरी तरह ठीक होने की कामना करते हैं। इससे पहले 2023 में जो बाइडेन को स्किन कैंसर हुआ था। इसे फरवरी में सर्जरी के दौरान हटा दिया गया था। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के मुताबिक अमेरिका में, प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों को होने वाला सबसे आम कैंसर है और कैंसर से होने वाली मौतों की दूसरी प्रमुख वजह है।

विदेश सचिव मिसरी ने संभाली कमान

भारत का पक्ष रखने विदेश जा रहे सांसदों की ब्रीफिंग शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी आज नवगठित संसदीय समिति की ब्रीफिंग कर रहे हैं। इसमें 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई की रात पीओके में मौजूद आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत एयरस्ट्राइक और 10 मई हुए भारत-पाकिस्तान सीजफायर सहमति की पूरी जानकारी सांसदों को दी जा रही है। यह समितियां विदेशों में जाकर भारत का पक्ष रखेंगी। बताया जा रहा है कि भारत ने 23 मिनट के ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। इसमें 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए गए थे। इसके बाद के एक्शन में पाकिस्तानी एयरबेसों को निशाना बनाया था। 10 मई की शाम 5 बजे भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया था। उल्लेखनीय है कि

केंद्र सरकार ने 59 सदस्यों वाले 7 समूह बनाए हैं। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत हैं। एनडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के सांसद हैं, जिसमें तीन कांग्रेस नेता भी हैं। ये डेलिगेशन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों का दौरा करेगा। वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखेगा। आज विदेश सचिव मिसरी दो फेज में इन डेलिगेशन को ब्रीफ करेंगे।

चलते ट्रक में भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में चलते ट्रक में अचानक भीषण आग से ट्रक पूरी तरह से जलकर राख हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि के चिन्नोनी थाना क्षेत्र में चलते ट्रक में अचानक भीषण आग लगने से इसे देखकर ट्रक चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई है। कल ट्रक चालक सबलगढ़ अनुभाग स्थित एक खदान से मुरम भरकर नहर के रास्ते आ रहा था तभी झुंडपुरा के

समीप उसमें अचानक भीषण आग लग गई और चालक ने जलते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस के अनुसार आग की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल दस्ता तत्काल मौके पर पहुंचा। आग इतनी भीषण थी कि दमकल कर्मियों को तीन बार आग बुझाने के लिए चक्कर लगाने पड़े तब कहीं बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक ट्रक पूरी तरह से जलकर खाक हो चुका था।

ससुर ने रील बना रही बहू का सिर फोड़ा

सुपौल, एजेंसी। सोशल मीडिया पर रील का नशा इस कदर चढ़ चुका है कई बार इसके चलते लोगों की जान तक चली जाती हैं। गांव से शहर तक रील बनाने का जुनून महिला, पुरुष, बच्चे हर किसी के सिर चढ़ चुका है। अब बिहार के सुपौल में एक बहू को इंस्टाग्राम रील्स बनाना इतना भारी पड़ गया कि उसने कभी सोचा भी नहीं होगो। रील बनाते वक्त की उसकी हंसी, चीख में बदल गई और अस्पताल जा पहुंची। सुनीता देवी नामम यह महिला घर में रील बना रही थी जो उसके ससुर को नागवार गुजरा। परंपरा, संस्कार और मर्यादा खराब करने का हवाला देते हुए उन्होंने बांस से बहु का सिर फोड़ दिया। सुनीता ने पति के कहने पर रविवार व्रत की एक रील बनाई थी।

सरकार बताए कि हमने कितने विमान खो दिए : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। आज कांग्रेस ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कुछ सवाल किये हैं। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से राहुल गांधी का सवाल दोबारा पूछा। उन्होंने कहा- हम जानना चाहते हैं कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर में हमने कितने विमान इस वजह से गंवाए कि पाकिस्तान को पहले से पता चल गया था।

ये कोई गलती नहीं थी, ये एक अपराध था और देश को सच्चाई जानने का हक है। दरअसल दो दिन पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कहा था, 'हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को जानकारी देना अपराध है। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से माना है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। नतीजतन हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए।' इधर राहुल ने आज फिर कहा कि विदेश मंत्री चुप हैं, ये चुप्पी बहुत कुछ कह रही है। इसलिए मैं फिर पूछूंगा कि पाकिस्तान को कैसे पता चला कि हमने कितने विमान खोए? उधर विदेश मंत्रालय ने भी सफाई दी व कहा- विदेश मंत्री के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है।

मेट्रो एंकर | सेना ने बताईं पाकिस्तान की करतूते

पाक ने स्वर्ण मंदिर को बनाया निशाना, सेना ने वीडियो जारी किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय सेना ने कहा है कि पिछले दिनों पाकिस्तान ने अमृतसर के गोल्डन टेंपल पर निशाना बनाकर मिसाइल दागी थी। जिसे भारतीय एयर डिफेंस ने नाकाम कर दिया था। सेना के जवानों ने पंजाब में मार गिराए गए पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल के मलबे भी दिखाए हैं। वहीं पंजाब में इंटरनेशनल बॉर्डर पर तैनात एक जवान ने कहा कि, 8-9 मई की रात को पाकिस्तान ने अचानक फायरिंग की और घुसपैठ की कोशिश की। जिसे हमने नाकाम कर दिया। हमारी फायरिंग का नतीजा ये हुआ कि सुबह होते-होते दुश्मन घुटनों के बल पर आ गए और अपनी पोस्ट पर सफेद झंडा फहरा दिया।

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना ने एक और नया वीडियो जारी किया है। इसमें सेना ने दिखाया कि पाकिस्तान की तरफ से दागे गए ड्रोन को कैसे मार गिराया। वेस्टर्न कमांड ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि, हमने जमीन से आसमान की रक्षा की है।

आतंकियों के मददगार अरेस्ट

जम्मू-कश्मीर में शोपियां के डीके पोरा इलाके में आर्मी और सीआरपीएफ ने जॉइंट ऑपरेशन में आतंकियों की मदद करने वाले दो सहयोगियों को अरेस्ट किया है। इनके पास से दो पिस्तौल, चार ग्रेनेड, 43 कारतूस बरामद किया गया।

दिल्ली की तरफ चली थी शाहीन

भारत व पाकिस्तान के बीच संघर्ष को लेकर सेना के वीडियो में एक दिलचस्प खुलासा हुआ है, पाक ने भारत में मैक्सिमम डैमेज के लिए शाहीन सीरीज की मिसाइल का इस्तेमाल किया था और भारत ने इस मिसाइल को इंटरसेप्ट कर लिया। वीडियो से पता चलता है कि पाकिस्तान ने शाहीन बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ साथ चीनी ए-100 और फतह हथियारों का इस्तेमाल किया था। इसका मतलब है कि वो भारत को साइकोलॉजिकल संदेश देने व न्यूक्लियर हमले का सिग्नल दे रहा था।

लंबे समय से ट्रैफिक बाधित कर रहे, रोज नियम तोड़ रहे

गलियों के बजाए मेन रोड पर बेलगाम ई रिक्शा, अफसर सिर्फ प्रस्ताव ही बना रहे!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी की यातायात व्यवस्था में सबसे बडी बाधा बने ई रिक्शा पर अंकुश लगाने के लिये अफसर मानस बना रहे हैं। दरअसल लंबे समय से अफसर इस पर सिर्फ विचार की ही बात कहते आ रहे हैं लेकिन अब तक सुधार की दिशा में कदम बढाने में हिचकते ही रहे हैं। अब कहा जा रहा है कि ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए प्रशासन बिना परमिट और बेतरतीब तरीके से चल रहे करीब 11 हजार ई-रिक्शा को शहर की प्रमुख सड़कों से हटाने की तैयारी कर रहा है।

इस कडी में सबसे पहले सड़क सुरक्षा समिति ने वीआईपी रोड, लिंक रोड नंबर 1 और 2 और होशंगाबाद रोड से ई-रिक्शा के संचालन पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया है। इन दिनों भोपाल की सड़कों पर करीब ई रिक्शा बिना परमिट दौड़ रहे हैं इसके चालक मनमाने तरीके से बीच रोड में चलते हैं या फिर रांग साइड आते जाते रहत हैं। इससे दुर्घटना,ट्रेफिक जाम जैसे कई नजारे पैदा हो जाते हैं।

तीन साल में खरीदे गए 9 हजार ई-रिक्शा

बताया जाता है कि बीते तीन सालों में ही करीब नौ हजार ज्यादा ई-रिक्शा खरीदे गए हैं। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, ई-रिक्शा के संचालन को लेकर न तो कोई स्पष्ट गाइडलाइन है और न ही परिवहन विभाग से इन्हें परमिट लेना अनिवार्य है। ई-रिक्शा को शासन की ओर से परमिट की छूट मिली हुई है। इनके ऊपर सामान्य परमिट नियम लागू नहीं होते। यही वजह है कि ये वाहन मनमाने तरीके से किसी भी मार्ग पर चलते हैं और कहीं भी खड़े हो जाते हैं, जिससे ट्रैफिक बाधित होता है।

भोपाल में ई रिक्शा कुनबा

- 2022-23 में 2541 ई-रिक्शा पंजीकृत हुए
- 2023-24 में 3129
- 2024-25 में अब तक 3057

भोपाल में तेजी से बढ़ी संख्या

- 2022-23 में 2541 ई-रिक्शा पंजीकृत हुए
- 2023-24 में 3129 ई-रिक्शा
- 2024-25 में अब तक 3057 ई-रिक्शा

सामान ढोने का काम भी कर रहे ई-रिक्शा

बताया जाता है कि ई-रिक्शा शुरू करने का उद्देश्य था कि ये कॉलोनियों से सिटी बस स्टॉप तक कनेक्टिविटी दें, लेकिन वर्तमान में ये ई रिक्शा मुख्य मार्गों पर ही अधिकतर देखे जा रहे हैं। यहां तक कि ई रिक्शा सामान ढोने का भी काम कर रहे हैं। यानि लोडिंग आटो की भूमिका में भी आ गये हैं। बताया जाता है कि पुलिस ने भी प्रस्ताव दिया है कि ई-रिक्शा को प्रमुख मार्गों से हटाकर उन्हें उनके मूल उद्देश्य के अनुरूप सीमित क्षेत्रों में संचालित किया जाए,लेकिन लंबे समय से प्रशासन कोई ठोस निर्णय ही नहीं ले पा रहा है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) संजय कुमार सिंह का कहना है कि सड़क सुरक्षा समिति की पिछली बैठक में इस पर चर्चा हो चुकी है। अगली बैठक में प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यदि प्रतिबंध लागू होता है, तो वीआईपी रोड, लिंक रोड नंबर 1 और 2, होशंगाबाद रोड जैसे प्रमुख मार्गों से ई-रिक्शा हटाए जाएंगे और यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार संभव होगा।

सिविल वर्क अधूरा होने के चलते गामा नाइफ व पीईटी सिटी स्कैन सेंटर का मामला

एम्स में मरीजों को दो बड़ी सुविधा के लिए इंतजार और लंबा हुआ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स में ट्यूमर, हृदय रोग या न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर की जांच से लेकर इलाज की सबसे आधुनिक तकनीक की शुरुआत टल गई है। वजह यह कि अब तक 58 करोड़ के इस सेंटर का सिविल वर्क तक पूरा नहीं हो सका है। माना जा रहा है कि यह सुविधा इस साल दिसंबर माह तक शुरू हो सकेगी। हालांकि इसे शुरू करने के लिये पहले छह जून की तारीख तय थी। यानि अब यह करीब छह महीने आगे सरक गई है।

हालांकि पीईटी सिटी स्कैन की दूसरी बार और गामा नाइफ की पांचवी बार डेड लाइन आगे बढ़ाई गई है। हालांकि प्रबंधन अब तक नई डेड लाइन निर्धारित नहीं कर सका है। दरअसल भोपाल के एम्स में बन रहे 58 करोड़ 28 लाख के इस सेंटर के निर्माण की जिम्मेदारी एचएलएल इंफ्रा टेक सर्विसेज लिमिटेड की है। वहीं, कॉन्ट्रैक्ट अग्रवाल जगदीश कंस्ट्रक्शन कंपनी के पास है। अब एम्स प्रबंधन इन सभी जिम्मेदारों के साथ बैठक करेगा। जिससे जल्द नई डेड लाइन तय की जा सकें। यह दोनों प्रोजेक्ट ऐसे हैं जिनकी केंद्र (दिल्ली) से मॉनिटरिंग की जा रही है। बताया जाता है कि ब्रेन कैंसर, ब्रेन ट्यूमर जैसी घातक बीमारियों के इलाज के लिए गामा नाइफ सबसे एडवांस तकनीक है। साल 2019 में इसके लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था। तब से ही इसके शुरू होने का इंतजार हो रहा है। कोरोना के चलते दो साल काम अटक गया था। देखा जाए तो यह सुविधा आने में 7 साल लग रहे हैं। इसका उपयोग ज्यादातर नसों में मौजूद छोटे ट्यूमर खासकर ब्रेन ट्यूमर के लिए किया जाता है। इसमें रेडिएशन केवल ट्यूमर पर दिया जाता है, जो कैंसर सेल के अंदर मौजूद डीएनए को नष्ट कर देता है। यह 99 फीसदी कारगर है। हालांकि एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह का कहना है कि गामा नाइफ और पीईटी सिटी स्कैन, दोनों प्रोजेक्ट के लिए जरूरी सिविल वर्क तेजी से किया जा रहा है। जल्द ही यह सुविधा शुरू होगी। यह दोनों बड़े प्रोजेक्ट हैं।

इसलिए फायदेमंद होगा सेंटर

यह सेंटर शुरू हो गया तो मरीजों को अब इलाज के लिए दिल्ली मुंबई का बार-बार सफर नहीं करना होगा।जांच और इलाज की लागत निजी अस्पतालों की तुलना में काफी कम होगी तथा सही और समय पर जांच से बीमारी की गंभीरता कम की जा सकेगी। यह आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को बड़ी राहत होगा।

राजधानी में धूप तेज,पारा ऊपर-नीचे

भोपाल। राजधानी में दो दिन से तेज गर्मी पड रही है लेकिन गर्मी के बाद शाम को फिर बादल छ रहे हैं और उमस बढ रही है। आज भी तेज धूप के साथ दिन की शुरूआत हुई है। कल तो पारा फिर 40 डिग्री से नीचे आ गया लेकिन आज इसके 40 तक जाने के आसार हैं।। रविवार को भोपाल में दिन का तापमान 39.1 डिग्री दर्ज किया गया। शनिवार के मुकाबले इसमें 1.7 डिग्री की गिरावट हुई। यह सामान्य से 2.4 डिग्री कम रहा। 24 घंटे में भोपाल के कोलार इलाके में 2 मिमी और एयरपोर्ट ऑब्जर्वेटरी में 1.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि मंगलवार तक अरब सागर में लो प्रेशर एरिया बन रहा है, जिससे नमी आएगी और गरज-चमक वाले बादल बनेंगे।

बाणगंगा इलाके में हुए दर्दनाक बस हादसे से लिया सबक

प्रशासन की मुहिम: साढ़े तीन सौ बसों की जांच, अनफिट बसें हुई जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिला प्रशासन और पुलिस 12 मई को बाणगंगा इलाके में हुए दर्दनाक बस हादसे में एक डॉक्टर युवती की जान चले जाने के बाद जागी है और बेलगाम वाहनों पर कार्रवाई हो रही है। इस घटना में एक युवती सिग्नल पर स्कूटी से खड़ी थी, तभी एक फिटनेस एक्सपायर स्कूल बस ने उसे कुचल दिया। बताया गया कि बस के ब्रेक फेल हो गए थे। ऐसे में हादसे के बाद ट्रैफिक पुलिस ने शहर के सभी चार जोन में चेकिंग मुहिम चलाई और स्कूल और कोचिंग वैन, बसों की विशेष जांच हुई। जिसमें तीन दिन में पुलिस ने 345 नॉर्मल और स्कूल की एसी बसों पर कार्रवाई की है, जो नियमों का पालन नहीं कर रहीं थीं। यह दर्शाते हैं कि कैसे भोपाल में बड़ी संख्या में वाहन बिना जरूरी दस्तावेजों और फिटनेस के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। चेकिंग के दौरान सबसे ज्यादा कार्रवाई जोन 2 में हुई,

जिसमें रायसेन रोड और होशंगाबाद रोड जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यहां 132 स्कूल बसों पर कार्रवाई हुई। बाणगंगा दुर्घटना की अब तक जांच में यह भी सामने आया कि हादसे में शामिल स्कूल बस का फिटनेस नवंबर 2024 में ही खत्म हो चुका था और बीमा भी नवीनीकृत नहीं था। बस सड़क पर अवैध रूप से दौड़ाई जा रही थी। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए संभागायुक्त संदीप सिंह ने भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद टीटी नगर थाना प्रभारी सधीर अरजरिया को भी लाइन अटैच किया गया। इस घटना में डाक्टर युवती की जान गई थी और छह लोग घायल हुए थे। इसके बाद दो दिन पहले ही एक नाबालिग ने स्कार्पियो से एक बैंक मैनेजर को कुचल दिया।

पॉलिटेक्निक चौराहा में 76 बसें पकड़ी गईं

बताया जाता है कि एमपी नगर जोन रायसेन रोड, होशंगाबाद रोड आदि में 132 बसों पर कार्रवाई, जो शहर में सबसे अधिक है। वहीं नादरा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पॉलिटेक्निक चौराहा में 76 बसें पकड़ी गईं। एयरपोर्ट रोड, करोंद आदि में 73 बसें और एमपी नगर, हबीबगंज 64 बसों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर .. सेना के शौर्य का सम्मान करने निकली तिरंगा यात्रा

अद्भुत कार्य किया भारतीय फौज ने : रामेश्वर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर और भारतीय सेना के शौर्य के सम्मान में संतनगर मंडल और गांधीनगर मंडल द्वारा रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में देशभक्ति का ऐसा ज्वार उमड़ा कि पूरा संत नगर तिरंगामय हो गया।

तिरंगा यात्रा संत नगर के वन ट्री हिल्स से प्रारंभ हुई और नगर के मुख्य मार्ग से गुज़रते हुए संपन्न हुई। यात्रा में विधायक रामेश्वर शर्मा ने विशेष रूप से शिरकत की। इस महत्वपूर्ण यात्रा की अगुवाई क्षेत्र की महिलाओं ने की, जो हाथों में तिरंगा थामे गर्व से आगे बढ़ रही थीं। उनके पीछे भाजपा के सभी कार्यकर्ता अनुशासित रूप से चल रहे थे।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने भारतीय सेना के पराक्रम और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा, ÷भारत के सैनिक वह वीर हैं जो देश के लिए लड़ते हैं, देश के लिए जीते हैं और दुनिया के हर कोने में अपने हिंदुस्तान के तिरंगे की शान को बढ़ाते हैं। हम ऐसे सभी जांबाज सैनिकों को हृदय से धन्यवाद देते हैं और उन

पर गर्व करते हैं। हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में वह अद्भुत कार्य कर दिखाया है, जो अद्वितीय है। शर्मा ने आतंकवाद को मानवता के लिए खतरा बताते हुए कहा कि हमारी सेना कभी भी निर्दोषों को नहीं सताती, बल्कि आतंकवाद के नापाक इरादों को विफल करने के लिए सदैव तत्पर रहती है। इस अवसर पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, रामू केवट, शेट्टी चंदनानी, रिटायर्ड कर्नल पारवानी, सुशील वासवानी, कमल विधानी, लवीन मनसुखानी, चंदू भैया, हीरो इसरानी, गुलाब जेठानी, आर. हिंगोरानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और देशभक्त युवा उपस्थित थे। यात्रा के दौरान बज रहे देशभक्ति गीतों ने युवाओं में जोश और उत्साह का संचार किया।

रोग निवारण शिविर का समापन

देश के विभिन्न प्रांतों से 89 साधकों ने लिया हिस्सा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केंद्र 10 दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया, शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। देश के विभिन्न प्रांतों से 89 साधकों ने हिस्सा लिया।

बता दे शिविर में डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइटिस, हाइपरटेंशन, मोटापा, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर जैसी बीमारियों का प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से उपचार किया गया। आरोग्य केंद्र में शिविर के दौरान साधकों को नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएं, प्रातः

कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएं और आनंद मेला जैसी गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिला। छत्तरपुर से आए जीवन अहिरवार ने शिविर में स्वस्थ जीवन शैली के महत्व को समझा। उत्तर प्रदेश के बसंत कुमार ने दिनचर्या को व्यवस्थित करने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। भोपाल के नन्हू सिंह ने कहा कि घुटनों के दर्द में उल्लेखनीय आराम मिला है।

मेट्रो एंकर सिंधी समाज की पहल : लव जिहाद और साइबर अपराधों से बचाव पर सेमिनार

संयुक्त परिवार की भावना का बढ़ाने पर दिया जोर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

गुरुनानक टेकरी सिंधी पंचायत द्वारा रविवार को लव जिहाद और साइबर अपराधों से बचाव के उपाय पर सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें लव जिहाद, साइबर सुरक्षा, डिजिटल गिरफ्तारी, बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी, साइबर अपराध, सोशल मीडिया के दुष्परिणाम और महिलाओं व परिवारों के खिलाफ होने वाले अपराधों जैसे गंभीर विषयों पर जागरूक करना था। मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता पुरषोत्तम पंजवानी और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ हर्ष वाधवानी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पंजवानी ने वर्तमान सामाजिक परिवेश पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बच्चों के व्यवहार, उनकी रात्रिकालीन गतिविधियों और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संयुक्त परिवार की भावना को बढ़ावा देने और परिवार के सदस्यों को एक साथ समय बिताने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने ऑनलाइन खरीदारी

से यथासंभव बचने की सलाह दी और कानून में महिलाओं के अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की।

सर्तक रहने पर दिया बल- साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ हर्ष वाधवानी ने महिलाओं और बच्चों को साइबर सुरक्षा के महत्व, डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभिन्न हाईटेक अपराधों से बचाव के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी और लोगों को सचेत किया। इस अवसर पर वक्ता नरेन्द्र मंगवानी ने भी ऑनलाइन शॉपिंग के नकारात्मक प्रभावों पर अपने विचार साझा किए। सेमिनार के दौरान पुरुषों और महिलाओं ने विशेषज्ञों से व्यक्तिगत प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल और सहज तरीके से जवाब दिया।

यह मौजूद रहे

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जयकिशन लालचंदानी, अमर दावानी, दीपक राजानी, राजेंद्र मनवानी, मनीष दरयानी, मुस्कान राजानी, दीपा रवि आनंद, सरिता कंजानी, अनीता सचदेव, हेमा कंजानी, जया गोगिया, सानिया मनवानी, शारदा कंजानी, हर्षा दादलानी, सोनल लालचंदानी, नीलम भुरानी, पलक दादलानी सहित सैकड़ों महिलाएं और बड़ी संख्या में बच्चियां उपस्थित थीं।

डीपीसी अगले महीने होगी, वरिष्ठता सूची के आधार पर अफसरों को मिलेगा मौका

पदोन्नति के लिए पैनल तैयार, 21 अफसर बनेंगे आईएएस-आईपीएस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के राज्य प्रशासनिक और राज्य पुलिस सेवा के 21 अफसरों के लिये जल्द गुड न्यूज आ सकती है। क्योंकि इन्हें आईएएस-आईपीएस संवर्ग में पदोन्नति मिलने वाली है। राज्य प्रशासनिक सेवा के 16 और राज्य पुलिस सेवा के 5 अफसरों का प्रमोशन कर अखिल भारतीय सेवा में शामिल करने की तैयारी पूरी हो चुकी है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि जून के दूसरे सप्ताह में यूपीएससी में विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक संभावित है। जिसमें इन अफसरों को आईएएस-आईपीएस अवॉर्ड की मंजूरी मिलेगी। इस साल आईएएस के लिए वरिष्ठता सूची के आधार पर 2006 और 2007 बैच के अफसरों को मौका मिला है। आईपीएस के लिए 1997-98 बैच के अफसरों के नाम शामिल किए गए हैं। उल्लेखनीय है एक पद के लिए तीन नामों का प्रस्ताव तैयार किया जाता है। इस साल 2023 और 2024 के 8-8 यानी 16 पदों के लिए डीपीसी होगी। दरअसल, 2023 में जिन आठ पदों के लिए डीपीसी होनी थी, वह यूपीएससी को देर से प्रस्ताव भेजने के कारण नहीं हो पाई थी। सामान्य प्रशासन विभाग ने डीपीसी के लिए प्रस्ताव तैयार कर मुख्य सचिव के अनुमोदन के लिए भेजा था।

अधिकारियों ने सीएम से की थी मुलाकात

इसमें एसएएस के पदों के साथ नॉन एसएएस (अन्य सेवा) के पदों का भी प्रस्ताव भेजा गया था। इसको लेकर राज्य प्रशासनिक सेवा संघ ने विरोध जता दिया तब एसएएस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी और विरोध में ज्ञापन सौंपा था। ऐसा 2021-2022 में भी हुआ था। बताया जाता है कि राज्य पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा के लिए होने वाली डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) की बैठक जून के पहले सप्ताह में होने की उम्मीद है। गृह विभाग ने पिछले सप्ताह यूपीएससी को पैनल तैयार करके भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक, 5 पदों के लिए 1997 और 1998 बैच के 15 अफसर सिलेक्ट किए गए हैं। इसमें से दो अफसरों की जांच के कारण लिफाफे बंद रह सकते हैं।

9 साल से अटके एचआर पर की बात

कर्मचारियों के बीच पहुंचकर सीएम ने काम अटकाने और लटकाने की शैली को कोसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कर्मचारियों के बीच पहुंचकर सीएम मोहन यादव ने बड़ी राहत का ऐलान किया है। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि 9 सालों से आपका एचआरए लटका हुआ था। मैं ये देखकर दुखी होता था। जिनके हक की चीज है, उन्हें ये समय पर देनी चाहिए। वो सारे अंतर जिनके माध्यम से जबरदस्ती से अटकाना-लटकाना, मैं समझता हूं कि ये उचित नहीं था। ये चीजें तब मिलें जब बोला जाए इससे बेहतर है कि पहले ही दी जाए। मैं इस मामले में थोड़ा भाग्यशाली हूं कि आप लोगों को ज्ञापन देने नहीं आना पड़ा। मैंने खुद ही बढ़ा दिया। रवीन्द्र भवन में राज्य कर्मचारी संघ के कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। इस मौके पर मुख्यमंत्री यादव का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा विधायक भगवान दास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी के साथ ही कर्मचारी संघ और भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी भी मौजूद थे। इस मौके पर कर्मचारियों के डीए को लेकर सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान डीए मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का एक वाक्य है डबल इंजन की सरकार। तो आगे जो इंजन लगा है, वह तेज चलेगा तो हमें भी तेज चलना पड़ेगा।

सीएम ने कहा- स्थानांतरण नीति के बारे में भी ध्यान रखा। ट्रांसफर करेंगे लेकिन तब करेंगे जब सबका समय आएगा। जब बच्चों की छुट्टियां हो जाएं। हम थोड़ा आने जाने की व्यवस्था बना लें इसलिए गर्मी की छुट्टियों का इंतजार किया। भले जो भी सहन करना पड़ा। नए-नए मुखिया को कितना सहन करना पड़ता है आप सब जानते हैं। लेकिन हमने कहा समय आएगा जरूर कर देंगे। आपके बिना कहे एक महीने का समय दिया।

कर्मचारी संघ ने सीएम डॉ. यादव का किया सम्मान

रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का अभिनंदन किया। फोटो निर्मल व्यास

मुखिया अव्यवस्था को दुरुस्त करे

सीएम ने कहा कि हमारे बीच की परस्पर व्यवस्थाओं के अंतर्गत हम काम करते हैं। सरकार और सरकार के मुखिया और व्यवस्थाओं का एक ही मतलब है कि हम अपनी व्यवस्थाओं में सुव्यवस्था स्थापित करें। कहीं अव्यवस्था या दुरावस्था है, कमी है तो उसे दुरुस्त करें। सीएम ने कहा- मैं प्राधिकरण में रहा, टूरिज्म में रहा, शिक्षा मंत्री के रूप में काम करके आपके बीच से निकला तो मुझे इस बात का एहसास है कि हम निर्णय कुछ भी कर लें, लेकिन निर्णय का नीचे क्रियान्वयन कराने की जो एजेंसी है, उस निर्णय को नीचे अंजाम तक पहुंचाने वाले लोगों के मन में कोई असंतोष है या उनकी व्यवस्था बिगड़ी है तो हम कितनी भी बात कर लें उस बात का नीचे असर आएगा ही नहीं।

15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का करेंगे पालन

मध्यभारत प्रांत का शिक्षा वर्ग प्रारंभ 801 स्वयंसेवक ले रहे हैं प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ, मध्यभारत प्रांत में स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए तीन संघ शिक्षा वर्गों आयोजित किये जा रहे हैं। इनमें मध्य भारत प्रान्त के संघ रचना के 31 जिलों के 801 स्वयंसेवक शामिल हुए हैं। तरुण व्यवसायी कार्यकर्ताओं का वर्ग रायसेन, महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्यकर्ताओं का वर्ग सिरोज और 40 वर्ष से अधिक आयु के स्वयंसेवकों के लिए संघ शिक्षा वर्ग विशेष का आयोजन विदिशा में किया जा रहा है। संघ शिक्षा वर्ग में शामिल शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे। इस दौरान स्वयंसेवक मोबाइल फ़ोन से भी पूरी तरह दूर रहेंगे।

तीनों स्थानों पर एक साथ हुआ उद्घाटन : तीनों ही स्थानों पर संघ शिक्षा वर्ग प्रारंभ हो गए हैं, जिनका औपचारिक उद्घाटन रविवार को किया गया। विदिशा के संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन सर्वाधिकारी हरिश्चंद्र शर्मा और मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। वहीं, रायसेन में सर्वाधिकारी अशोक कुशवाह, प्रान्त कार्यवाह हेमन्त सेठिया एवं सह प्रान्त कार्यवाह संतोष मीणा ने वर्ग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही सिरोंज में महाविद्यालयीन विद्यार्थी संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन वर्गाधिकारी प्रहलाद सबनानी, वर्ग कार्यवाह त्रिवेश लोधी, वर्ग पालक सुरेन्द्र सिंह एवं प्रान्त सह कार्यवाह विजय दीक्षित ने किया।

जो कठिनाइयों में जी नहीं सकता, वह कभी साधक नहीं बन सकता-विमल गुप्त : विदिशा में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रान्त प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि हिंदू जीवन चार आश्रमों पर आधारित है। जिनमे चौथा आश्रम संन्यास आश्रम है, जो व्यक्ति को मोक्ष की राह पर ले जाता हैं। वर्ग में आए हुए हम सभी साधक हैं और अपनी साधना को सफल करने के लिए इस वर्ग में उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि साधना कठिनता से सफल होती हैं। जो कठिनाइयों में जी नहीं सकता, वह कभी साधक नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि हमे अपने जीवन में देश भक्ति वैराग्य हमेशा बनाकर रखना चाहिए। समाज में शाखा की भूमिका जागरण श्रेणी के माध्यम से स्पष्ट हो सके और शाखा समाज परिवर्तन का केंद्र बन सके इसलिए हम वर्ग में प्रशिक्षण लेने आए हैं।

कर्मचारी-पेंशनरों को सौगात, कैशलैस इलाज की मिलेगी सुविधा

भोपाल। प्रदेश के शासकीय सेवकों और पेंशनरों को मोहन सरकार जल्द ही कैशलैस इलाज की सुविधा देने जा रही है। इसके लिए सरकार ने तैयारी कर ली है। जल्द ही स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव खुद रविवार को रवींद्र भवन में कह चुके हैं कि जब देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोगों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं तब कर्मचारियों को दूर नहीं रख सकते। उन्होंने कहा कि सरकार निर्णय लेती है, उन्हें जमीन पर उतारने का काम करते हैं। सरकार जिस स्वास्थ्य बीमा योजना लेकर आ रही है उसका लाभ प्रदेश के 8 लाख से अधिक कर्मचारियों और 3 लाख से अधिक पेंशनरों को मिलेगा।

उच्च शिक्षा : अंतिम तिथि तक पहुंचे 1830 आवेदन, 1260 आवेदन प्रोफेसरों ने किए

भोपाल। स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा सहित अन्य विभागों में तबादलों को लेकरर प्रक्रिया जारी है। उच्च शिक्षा विभाग ने आवेदन जमा करा लिए गए हैं। विभाग को अंतिम तिथि तक एक हजार 830 आवेदन मिले हैं। इसमें 68 फीसदी आवेदन प्रोफेसरों ने किए है। शेष आवेदन खेल अधिकारी, ग्रंथपाल और अन्य कर्मचारियों द्वारा किए गए हैं। इसमें अधिकतम आवेदन उन प्रोफेसरों के हैं, जिन्होंने 2019 में नियुक्ति हासिल की थीं। उनकी परिवीक्षा समाप्त हो गई है। इसलिए वे नये स्थान पर जाना चाहते हैं। विभाग ने जमा आवेदनों की स्क्रूटनी शुरू कर दी है। उच्च शिक्षा विभाग को 31 मई तक स्थानांतरण करने हैं। जल्द ही स्थानांतरण के आदेश ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। पहले विभाग आवेदनों की स्क्रूटनी करेगा। इसमें देखा जाएगा कि कौन से अधिकारी व कर्मचारी कितने समय से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। यहां तक उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज तो नहीं कराई गई। लंबे समय से एक स्थान पर जमे कर्मचारी और अधिकारी कालेज और विश्वविद्यालयों को छोड़ना चाहते हैं। इसलिए समूचे राज्य से विभाग को अंतिम तिथि तक एक हजार 830 आवेदन मिले हैं।

आज राज्य शिक्षा केंद्र कर सकता है मामले में बड़ी कार्यवाही, जांच

डीपीसी शर्मा की मुश्किलें बढ़ी, अब निजी स्कूल संचालक और जिपं अध्यक्ष ने भी की शिकायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिला शिक्षा केंद्र में पदस्थ जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) ओपी शर्मा की शिकायतें मुख्यालय पहुंचने और कथित ऑडियो वायरल होने के बाद अब डीपीसी शर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इधर मामले में डीपीसी शर्मा के विरोध में निजी स्कूल संचालक और नेता में भी मैदान में उतर आए हैं और शिकायतें की गई हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुंवर नौरंग सिंह गुर्जर और जिपं उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने प्रभारी मंत्री चौतन्य काश्यप को डीपीसी शर्मा को हटाने के लिए पत्र लिखा है।

शर्मा का कार्य व्यवहार जनप्रतिनिधियों के प्रति ठीक नहीं : जिपं अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने पत्र में लिखा है कि डीपीसी शर्मा का कार्य व्यवहार जनप्रतिनिधियों के प्रति ठीक नहीं है। इससे लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इनके द्वारा कार्य में लापरवाही से शासन की योजनाओं का लाभछात्रों को समय से नहीं मिल पा रहा है। जिपं अध्यक्ष गुर्जर और उपाध्यक्ष जाट ने अपने पत्र में शर्मा को हटाकर विकास खंड स्रोत समन्वयक बालेन्द्र सिंह को प्रभार सौंपने की बात कही है। पत्र में कहा गया है कि डीपीसी शर्मा नवीनीकरण के नाम पर स्कूलों से करोड़ों की राशि वसूल रहे हैं। उनके ऑफिस में दो लोग ऐसे पदस्थ हैं जो शिक्षा विभाग के नहीं है। ये स्कूल संचालकों को कमियां बताकर उनसे पैसे मांगते हैं।

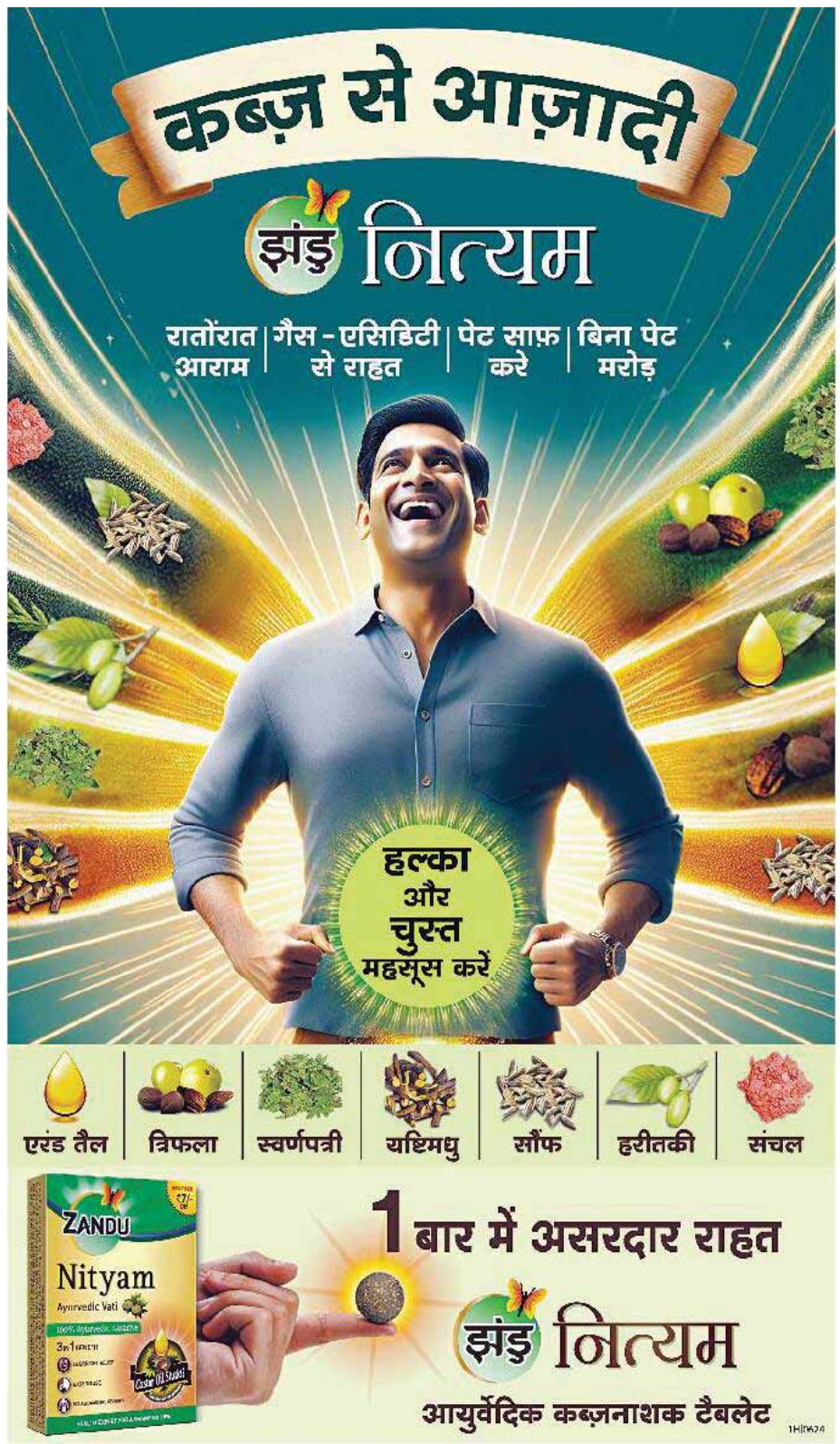

मेट्रो एंकर | मप्र गेहूं उपार्जन में देश में दूसरे स्थान पर, मंत्री ने दी बधाई, बोले

योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश में इस वर्ष गेहूं उपार्जन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश अब पूरे देश में गेहूं उपार्जन में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह जानकारी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रभार के जिले गुना में जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान दी।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इस वर्ष गेहूं उपार्जन में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में एक बड़ी छलांग है। उन्होंने इसे किसानों के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता और सुनियोजित नीति का परिणाम बताया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हमारे प्रयासों का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना और उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने 60 प्रतिशत से अधिक गेहूं उपार्जन पर उपार्जन से जुड़े विभाग के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार जताया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार की सक्रिय भूमिका, समय पर समर्थन मूल्य की घोषणा तथा सुचारू परिवहन और भंडारण व्यवस्था ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी हुए सम्मानित

मंत्री राजपूत ने जल-गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ सुश्री मंजूषा खत्री, एसडीओ पीएचई टीएल मेहरा एवं उपयंत्री जनपद पंचायत आरोन चंदन शुक्ला को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही राज्य स्तरीय मेरिट सूची में स्थान पाने वाले छात्र शैलेन्द्र धाकड़, कु. पूर्णिमा अड़ावकर एवं राष्ट्रीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में चयनित नमन लोधी को भी सम्मानित किया गया। बैठक में कलेक्टर किशोर कन्याल ने बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराए गए श्रमिकों की जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की भी जानकारी दी।

मोबाइल कोर्ट से न्याय हो रहा सुलभ

बैठक में बताया गया कि मोबाइल कोर्ट के माध्यम से जमीनी विवाद, अतिक्रमण और सीमांकन जैसे पुराने लंबित प्रकरणों के त्वरित निपटारे किए जा रहे हैं। इस दौरान दोनों पक्षों की सहमति से मौके पर ही समाधान किया जा रहा है, जिससे जनता को न्याय सुलभ हो रहा है।

संपादकीय

कहीं एक सीमा भी जरूरी

राजनीति में आजकल बेहद बयानों की शैली में जिस तरह का परिवर्तन और शब्द चयन में जैसी गिरावट और दोहरे अर्थ शामिल हुए हैं, तब से खासतौर पर नेताओं की छवि और खराब ही हुई है। यह अलग बात है कि वे चुनाव जीत जाते हैं लेकिन बेलगाम बात करने वाला हर नेता अपने हर कार्यकाल में कुछ लोगों के मन से जरूर उतर जाता है। इसकी चिंता नेताओं को नहीं होती,क्योंकि वे जीत को अपनी करतूतों पर मुहर मानते हैं या माफी। हाल में मप्र के काबीना मंत्री विजय शाह की टिप्पणी केवल कर्नल सोफिया कुरैशी ही नहीं, पूरी भारतीय सेना के त्याग और बलिदान का अपमान है। माना जा सकता है कि उन्होंने उस सेना को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया, जो किसी जाति, धर्म से परे होकर देश की रक्षा में लगी रहती है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियां बताती हैं कि यह मामला केवल %जुबान फिसलने% या %भावनाओं में बहने% का नहीं है। इस मंत्री ने सार्वजनिक कार्यक्रम में कर्नल कुरैशी पर टिप्पणी की थी। उन्होंने नाम तो नहीं लिया, लेकिन इशारा समझने के लिए काफी था। संवैधानिक पद पर बैठे शख्स की ऐसी सोच हैरान करने वाली है। अब वह माफी मांग रहे हैं, लेकिन सवाल उनसे होना चाहिए कि यह नौबत ही क्यों आई और किस मानसिकता के तहत उन्होंने ऐसी टिप्पणी की। पहलगाम हमले के पीछे आतंकवादियों का मकसद देश में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था मगर पूरे भारत ने एकजुटता दिखाकर आतंकी मंसूबों को नाकाम कर दिया। लेकिन,अब मंत्री के शब्द एकता और अखंडता पर चोट पहुंचाते हैं। हाईकोर्ट ने इस खतरे को समझा और कहा कि उनकी टिप्पणी अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा देती है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नसीहत दी कि जब देश ऐसी स्थिति से गुजर रहा हो तो एक मंत्री की ओर से बोला गया हर शब्द जिम्मेदारी की भावना के साथ होना चाहिए। अफसोस की बात है कि राजनेताओं में इस भावना का अभाव कई बार दिख जाता है। गैर-जिम्मेदारी में वे कभी सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ कुछ कह रहे होते हैं, तो कभी सेना के खिलाफ। ये हरकतें मजबूत संस्थाओं को कमजोर करने वाली हैं। शाह मामले में हाईकोर्ट के आदेश पर मध्य प्रदेश पुलिस ने एफआईआर तो दर्ज कर ली, लेकिन उस पर अदालत ने जो सवाल उठाए हैं, वह भी कम चिंताजनक नहीं। जब हाई कोर्ट ने मामले का खुद संज्ञान लेकर रिपोर्ट दर्ज करने को कहा था, तो फिर यह नौबत नहीं आनी चाहिए थी, जहां उसे कहना पड़ा कि रिपोर्ट का ड्राफ्ट कमजोर है। इससे यही सवाल उठता है कि पुलिस कहीं मंत्री को बचाने की कोशिश तो नहीं कर रही?आज सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सुनवाई भी कर रहा है।उधर मामले में राजनीतिक मोड़ आना प्रत्याशित है। हालांकि डैमेज कंट्रोल के लिये मध्यप्रदेश भाजपा ने अपने प्रतिनिधिमंडल को कर्नल सोफिया कुरैशी के पैतृक घर भेजा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रिपोर्ट तलब की । ये सारे डैमेज कंट्रोल वाले कदम से राजनीतिक क्षति तो पूरी हो सकती है, लेकिन सेना के सम्मान पर जो चोट लगी है, उसकी भरपाई तभी हो पाएगी, जब फिर से ऐसा कोई वाकया सामने न आए। वैसे तो मप्र में ही सेना और युध्द व आतंकियों को लेकर एक डिप्टी सीएम के बयान पर भी विवाद है तो एक सांसद और एक विधायक भी अटपटे बयानों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। नेताओं की भाषा का चयन और संयम सवालों के घेरे में है तो उनकी बडे ओहदों के लिये उनकी शपथ व काबिलियत पर भी बात तो उठेंगी ही।

> आप अंधकार से लड़ नहीं सकते। आपको रोशनी पैदा करनी होगी और अंधकार चला जाएगा।

आज का इतिहास

- 1884 अलास्का को एक अमेरिकी क्षेत्र में मिलाया गया।
- 1900 चीन में बॉक्सर्स द्वारा पेकिंग के 100 मील के भीतर तीन गांवों को जला दिया जिसमे 60 चीनी और क्रिश्चियन नागरिक मारे गए।
- 1902 एंटीकाइथेरा तंत्र, सबसे पुराना ज्ञात जीवित गियरडैमचैनिज्म है, जिसे एंटीकाइथेरा के ग्रीक द्वीप के एक जहाज से उतरने वाली कलाकृतियों के बीच खोजा गया
- 1909 प्रथम गिरो डी टालिया साइकिल दौड़ मिलान शहर में शुरू हुई, जिसमें लुइगी गन्ना विजेता हुए।
- 1914 अल्बानिया ने आधिकारिक तौर पर उत्तरी एपिरस के क्षेत्र को अल्बानियाई राज्य के साथ एक अनौपचारिक क्षेत्र के रूप में मान्यता दी, जो प्रथम विश्व युद्ध के कारण कभी स्थापित नहीं हुआ था।
- 1933 नार्वे की फासीवादी पार्टी नस्जोनल समलिंग की स्थापना 17 मई, 1933 को विद्कुन क्विसलिंग और जोहान बर्नहार्ड हेजोर्ट ने की थी। इसने इस तथ्य के बावजूद नार्वे की राजनीति पर भारी प्रभाव डाला कि इसने 2.5त्न से अधिक मत कभी हासिल नहीं किए, अंततः 1945 में भंग हुआ
- 1954 अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक मुकदमों में भूरा बनाम ब्राउन बोर्ड ऑफ एजुकेशन का फैसला सुनाया, जो पब्लिक स्कूलों में नस्लीय अलगाव को दर्शाता है।
- 1970 थोर हेयरडाल ने इसी दिन मोरक्को से यात्रा की शुरुआत की और अटलांटिक महासागर को 57 दिनों में पार कर लिया।
- 1973 राष्ट्रपति अभियान गतिविधियों पर सीनेट की चयन समिति ने 17 मई, 1973 को वाशिंगटन डी.सी. में वाटरगेट घोटाले की सुनवाई शुरू की।

निशाना

पद की है तलाश !

-कृष्णेन्द्र राय

अवसर रहे निहार ।
पद की है तलाश ।।
ना रहना है आम ।
बन ही जाना खास ।।
गुणा भाग में माहिर ।
जा रहा संदेश ।।
पर पहले टटोलना ।
बढ़े ना कलेस ।।
दिख जाए पर जल्द ।
नया कुछ अवतार ।।
मनोरंजन की थोड़ी थोड़ी।
बहती रहे बयार ।।
फैसला तो मान्य है ।
पर कसक है बाकी ।।
ना आई पर काम ।
कोई भी चालाकी ।।

लाल आतंक के पहाड़ पर तिरंगे की विजय अधिक जरुरी

आलोक मेहता

भारत-पाकिस्तान के आतंकवाद से लड़ाई लम्बी चल सकती है और इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग भी चाहिए, लेकिन देश के अंदर माओवादी नक्सल आतंक को अपने अर्द्ध सैनिक बलों, प्रादेशिक पुलिस और केंद्र सरकार के दृढ निश्चय से खत्म करना बहुत बड़ी चुनौती रही है । लगता है कि लाल आतंक के पहाड़ पर तिरंगे की विजय का अंतिम निर्णायक दौर है । पिछले दो दशकों में नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए । करीब 20 वर्षों में, 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है, जो 1999 के कारगिल युद्ध में मारे गए भारतीय सेना

के जवानों की संख्या से चार गुना अधिक है। वास्तव में, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने की तुलना में नक्सलियों से लड़ने में अधिक सशस्त्र कर्मियों की मृत्यु हुई है । नक्सल आतंक राज्यों की लगभग 8 करोड़ जनता प्रभावित रही है जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी हैं । यह आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में फैले एक लाल गलियारे के साथ 10 राज्यों में फैला हुआ था । 2014 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आए , तब 10 राज्यों के 126 जिलों को सबसे ज़्यादा प्रभावित थे । 2025 की शुरुआत में यह संख्या घटकर केवल 12 रह गई हैं , जिनमें से ज़्यादातर बस्तर में और बाकी ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के पड़ोसी जिलों में बचे हैं ।

पिछले पांच वर्षों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सल मुक्त भारत के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की । अर्द्ध सैनिक बलों और राज्य सरकारों को अधिकाधिक धनराशि केंद्र से उपलब्ध कराई । छत्तीसगढ़ में माओवादियों के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए 8।0 करोड़ रुपये का बजट रखा । हाँ छत्तीसगड़ में कुछ समय कांग्रेस सरकार आने से गति थोड़ी धीमी हुई , लेकिन भाजपा सरकार वापस आने के बाद आपरेशन तेज हो गया । पिछले तीन महीनों में बस्तर में करीब 130 खुंखार नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मारे गए । इस सन्दर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि नक्सल मुक्त भारत के संकल्प में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करते हुए सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के विरुद्ध अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन में हाल में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुर्रगुट्टालू पहाड़ पर 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया।उन्होंने कहा कि जिस पहाड़ पर कभी लाल आतंक का राज था, वहां आज शान से तिरंगा लहरा रहा है। इसके साथ ही अमित शाह ने कहा कि % प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पित हैं। मैं देशवासियों को पुनः विश्वास दिलाता हूँ कि 31 मार्च 2026 तक भारत का नक्सलमुक्त होना तय है।

केंद्र और राज्य सरकारों ने कड़ी कार्रवाई के साथ माओवादियों के भ्रम जाल में फंसे लोगों को समर्पण कर सामान्य जीवनयापन के पर्याप्त अवसर भी दिए हैं ।

2014 से आत्मसमर्पण करने वाले ।,500 नक्सलियों में से कई इन बलों में शामिल हो गए हैं, जो नक्सलियों के काम करने के तरीके और उनके ठिकानों के बारे में जानकारी दे रहे हैं

। इन उपायों के परिणामस्वरूप, अभियान तेज हो गए हैं और 15 महीनों में छत्तीसगढ़ में 305 नक्सलियों का सफाया कर दिया गया । 2024 में अकेले बस्तर संभाग में 21। नक्सलियों का सफाया कर दिया गया है, जो राज्य में उग्रवाद के इतिहास के बाद से किसी भी वर्ष के लिए सबसे अधिक रहा है ।जगदलपुर में स्थित कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) केंद्र में अधिकांश जवानों को गुरिल्ला युद्ध का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह कभी अविभाजित बस्तर की राजधानी हुआ करती थी। यह केरल के आकार का है और छत्तीसगढ़ के सात घने जंगलों वाले जिलों में फैला हुआ है। इस क्षेत्र के अधिकारी कमांडर ने एक बार बताया था , ÷हम एक युद्ध-प्रशिक्षित दुश्मन से लड़ रहे हैं, जो इस क्षेत्र का निवासी है, इलाके से अच्छी तरह वाकिफ है, जंगलों में बहुत सक्रिय है और धोखे और धैर्य की कला का इस्तेमाल करके द्बश्वष्ठ या घात लगाकर हम पर चुपके से हमला करता है। इसलिए उनके तरीकों ठिकानों को समझकर और अब उपलब्ध अत्याधुनिक द्रोन और हथियारों से नक्सलियों को नियंत्रित किया जा रहा है।

इस अभियान के दौरान नक्सल क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों ने नक्सलियों द्वारा जबरन एकत्र किए जा रहे धन के स्रोत पर अंकुश लगाया । आय का मुख्य स्रोत गर्मियों के महीनों में तेंदू पत्ता ठेकेदारों से लिया जाने वाला लेवी और वन तथा सड़क ठेकेदारों से जबरन वसूली थी। नक्सली इनसे अनुमानित 150 करोड़ रुपये जुटाने में सफल होते रहे। सीमा सड़क संगठन, जो कि केंद्र सरकार की इकाई है, को सिविल कार्यों को सौंपने से धन का वह स्रोत बंद हो गया है, साथ ही खुफिया एजेंसियों द्वारा तेंदू पत्ता ठेकेदारों पर कड़ी निगरानी रखी गई । कांग्रेस राज में तो कुछ पार्टी नेता , मंत्री ,अफसर और ठेकेदार ही नक्सलियों के साथ कमाई की साझेदारी करते थे । यह अलग बात है कि कई नक्सल विरोधी कांग्रेस नेता पहले उनकी हिंसा के शिकार रहे थे ।

नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के किनारे बसा पुवर्ती, सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन के अधीन है , जिसका नाम है %वन-फाइव जीरो, जंगल हीरो%। पुवर्ती कभी खूंखार माड़वी हिडमा का गढ़ हुआ करता था, नक्सल कमांडर के बारे में कहा जाता है कि वह सुरक्षा बलों पर दो दर्जन से अधिक घातक हमलों का मास्टरमाइंड था , जिसमें 2010 में पास के ताड़मेटला गांव में हुआ हमला भी शामिल है जिसमें सीआरपीएफ के ।6 जवान मारे गए थे। पाहले किसी भी सरकारी व्यक्ति , वर्दीधारी या अन्य के लिए पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) की अनुमति के बिना पुवर्ती में प्रवेश करना असंभव था । लेकिन समय बदला गया है । इसी तरह दंतेवाड़ा में आदिवासी भयमुक्त होकर बच्चों को शिक्षा और रोजगार दिला रहे हैं । यहाँ का हाट बाजार और उद्यम केंद्र किसी शहर के बाजार से अधिक व्यवस्थित और खुशहाल दिख रहे हैं । जगदलपुर और दांतवाड़ा के सरकारी कौशल विकास केंद्र (स्किल डेवलपमेन्ट सेंटर) के सभी प्रशिक्षुओं को रोजगार मिल रहा है ।

नक्सल संगठन पोलित ब्यूरो, केंद्रीय समिति और केंद्रीय सैन्य आयोग द्वारा संचालित रहे हैं। बताते हैं कि पोलित ब्यूरो का नेतृत्व 70 वर्षीय महासचिव नंबाला केशव राव कर रहे हैं, जो कई उपनामों से जाने जाते हैं, जिनमें बसवराज और गगनना शामिल हैं। सैन्य शाखा में क्षेत्रीय, राज्य और क्षेत्रीय कमान हैं, जिसमें सशस्त्र मिलिशिया पिरामिड का आधार बनाती है । %पता लगाओ, निशाना बनाओ और बेअसर करो% के दृष्टिकोण को अपनाते हुए, मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में 15 शीर्ष नक्सल नेताओं को मार गिराया , जिनमें तीन पोलित ब्यूरो और 12 केंद्रीय समिति के सदस्य शामिल हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पिछले साल की परिचालन सफलताओं के कारण, बस्तर में नक्सलियों के कट्टर लड़ाकों की संख्या 1,400 से घटकर 600 रह गई है।उम्मीद करनी चाहिए कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह 2026 में देश को नक्सल आतंक से मुक्ति दिला दें और नक्सलियों को दिल्ली मुंबई से साधन दिला दे रहे अर्बन नक्सल और विदेशी ताकतों को भी कठोर कार्रवाई से नियंत्रित कर सकें।

युद्ध से पहले युद्ध जीतने की रणनीति

ले. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)

ऑपरेशन सिंदूर का अचानक खत्म हो जाना चौंकाने वाली घटना थी वास्तव में, परीक्षा में 'पाठ्यक्रम से बाहर' का सवाल आने जैसा ! गनीमत कि फुल स्केल वॉर टल गयी और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम उल्लंघन न हो। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नज़र रखेंगे, लेकिन कुछ निष्कर्षों पर गर्मागर्म बहस हो सकती है। पाकिस्तान के नेतृत्व की ओर से नवीनतम उकसावा रणनीतिक नहीं था ङ्क लक्षणात्मक था। चिरपरिचित लहजे में, शब्दावली में नीति पर कम और दिखावे पर जोर ज़्यादा था, शिकायतों का पुलिंदा, ऐतिहासिक अन्याय और वैचारिक खतरे को दोहराने वाला संबोधन था। लेकिन कुछ बुनियादी बदलाव आया है कि दुनिया ने सुनना बंद कर दिया।भारत ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह चुप्पी खंडन से ज़्यादा ज़ोरदार रही। भारत के लिए, यह घड़ी प्रतिक्रिया की नहींङ्क उसे उजागर करने की रही। पाकिस्तान, जो कभी राष्ट्र होता था, अब एक टोला बन चुका है, भ्रमित लोगों का टोला, जिसमें अराजकता और टकराव की बात करने वाले कुछ लोगों ने स्थिरता-सम्मान के चाहवानों को दबा रखा है।

चिंगारी विफल हुई, कश्मीर का प्रत्युत्तर

अगर पर्यटक नरसंहार का उद्देश्य कश्मीर में अशांति भड़काने का था, तो प्रतिक्रिया उद्वेग विहीन रही। पहलगाम और घाटीभर में, असंतोष की लपटें नहीं उठी, कोई गुस्साई भीड़ नहीं। रोज़मर्रा ज़िंदगी चलती रही। लोगों ने रोष प्रदर्शन के बजाय शांति का संकल्प चुना।भारत आहत हुआ। यह भारत का पहला और गहनतम उत्तर था। भाषणों से नहीं, बल्कि स्थिरता से। भारत की ताकत इसकी विविधता की संबद्धता में है। कश्मीर में भी- कन्याकुमारी या कोहिमा की भांति- संविधान संबद्धता की गारंटी देता है। सशस्त्र बल इसे यकीनी बनाते हैं, लोग कायम रखते हैं। भारत की विविधता में एकता, कमज़ोरी नहीं, अब रणनीतिक सिद्धांत है। फूट डालने के आह्वान का उत्तर बयानबाज़ी से नहीं, बल्कि टिकाऊ सत्य से दिया गया – भारत अनेक है, फिर भी एक है।

बिना दिखावे के सटीकता

जब उधर लाउडस्पीकरों पर दमगज़े गूंज रहे थे, भारत ने कार्रवाई की- चुपचाप, सटीक और बिना नाटकीयता। नियंत्रण रेखा पार और उसके आगे जाकर आतंकी ढांचे पर हमलों की घोषणा धूमधाम से नहीं की। हमले नपे-तुले, प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण थे। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की भाषा रही – मौन। पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल आतंकवादियों की मेजबानी करने, उनके शव सैन्य झंडे में लपेटने, उनका कफन-दफन राजकीय सम्मान से करने पर किसी ने ऐतराज नहीं किया। सवाल नहीं उठा कि वैश्विक तौर पर घोषित हत्यारों को सलामी देकर इज्जत क्यों की दी जाती है। वैश्विक व्यवस्था, एक बार फिर, अपनी कसौटी पर खरी नहीं उतरी। हालांकि, भारत का लक्ष्य तालियां बटोरना नही था, यह प्रतिकर्म निवारक था। संदेश स्पष्ट था – भारत की सीमा रेखा अब सरक चुकी है। प्रतिक्रियाएं अब बिना शोर-शराबा, किंतु वजनदार होंगी।

तनाव बढ़ना, फिर घटना भारत की शर्तों पर, पाकिस्तान की प्रतिक्रिया ढर्रे की रही

मिसाइलों, ड्रोन से हमला। ज़्यादातर को भटका दिया या मार गिराया, बाकी बेअसर कर डाले। इसने हमारी दूसरी प्रतिक्रिया शुरू कराई ङ्क नपी-तुली, किंतु सटीक। न केवल आतंकी शिविरों, बल्कि सैन्य हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया। अंधाधुंध नहीं बल्कि बहुत सोच-समझकर। यह केवल तनाव बढ़ाने की खातिर टकराव बढ़ाना नहीं था। इस कार्रवाई में सिद्धांत था। सटीकता थी, जिसने क्षमता, इरादे और संयम को प्रेषित किया। इससे उसे करारी चोट पहुंची।और यह कारगर रहा। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने धमकी देकर नहीं, बल्कि तनाव घटाने के आह्वान के साथ संपर्क किया। भारत ने स्वीकार किया- बतौर रियायत नहीं, बल्कि नियंत्रण। इस पलों पर संचालन सधा रहा : न धमकाया, केवल नपा-तुला परिणाम। यह सदा बहस का विषय रहा लेकिन संघर्ष समाप्त करना आसान विकल्प नहीं होता। अपनी प्रतिक्रिया को लेकर भारत ने नई सीमा तय कर दी। उसे घोषित करने की ज़रूरत नहीं ङ्क कार्रवाई में सबूत मिला। संदेश – भारत युद्ध शुरू नहीं करेगा,लेकिन तय करेगा शुरू कब हो और खत्म कब हो।

रणनीतिक परिपक्वता ही असली निवारक

यह कोई आग में घी डालना नहीं था, एक परीक्षण था। और, भारत ने अपनी प्रतिक्रिया नाप-तोलकर और प्रभावी दी। प्रतिक्रियात्मक झड़पों का युग बीत चुका है। इसकी जगह संतुलित शक्ति प्रदर्शन ने ले ली है। ज़रूरत पड़े, तभी वार करें। जब दुश्मन को दर्द महसूस हो, तब रुक जाएं। दिखावा नहीं, परिचालन करें।भारत के पास आज असलियत में विभिन्न विकल्पों की काबिलियत है। लेकिन अहम है स्पष्टता। संवाद और आतंक एक साथ जारी नहीं रह सकते। एक खुले लोकतंत्र में और राष्ट्र द्वारा संचालित आतंकवादी समूह के बीच कोई 'नैतिक समानता' नहीं। यह परिपक्वता आकस्मिक नहीं, संस्थागत सुधार, नागरिक-सैन्य सामंजस्य और राष्ट्रीय स्पष्टता से उपजी है। भारत युद्ध नहीं चाहता लेकिन अब यदि बढ़ता है, तो भय भी नहीं। इसे कैलिब्रेटेड डेटरेंस जाता है। इसके विपरीत, पाकिस्तान का आंतरिक क्षय उजागर हो गया। उसका परमाणु ब्लैकमेल अब डेटेरेंस न रहकर बस धमकी रह गया। दुनिया ने भी देख लिया। भारतीय प्रधानमंत्री ने ब्लैकमेल का जिक्र किया और भावी आतंकवादी हमलों को युद्ध कार्रवाई मानने का ऐलान किया।

एक टोला जो अपनों को ही निगल रहा

पाकिस्तान की त्रासदी उसकी सेना नहीं, उसके लोगों की चुप्पी है, जो असहाय हैं। एक ऐसा देश, जहां उदारवादी आवाजें दबाई जाती हैं, असहमति अपराध और सच्चाई देशद्रोह ठहरायी जाती है। समझदारों को भुगतना पड़ रहा है, पागल रणनीतिकार हैं। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय अपने वित्तीय संस्थानों और बयानबाजी से यह निष्क्रियता कायम रखता है। भारत यह भेद समझता है। हमारी प्रतिक्रिया कभी पाकिस्तानी अवाम को सजा देने की नहीं रही। यह हमेशा उस मशीनरी को अलग-थलग करने के वास्ते रही है जो उन्हें बंधक बनाए है। लेकिन यहां कोई मुगालता न रहे – जैसाकि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा, हम उस मशीनरी को खुद को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे। परमाणु ब्लैकमेलिंग का असर अब जाता रहा।

दुनिया का अंधबिंदु व भारत की नैतिक जिम्मेदारी

यहां मूल विरोधाभास है। आतंकवाद तभी समस्या माना जाता है जब यह पश्चिम को नुकसान पहुंचाए। दशकों से, भारत आतंक की वैश्विक परिभाषा बनाने के लिए दुहाई डालता रहा। लेकिन सत्ता राजनीति और वाणिज्यिक हितों से पंगु बनी संस्थाएं इसे अनदेखा करती रहीं। इस बीच, आईएमएफ से उन मुल्कों को ऋण मिलना जारी रहा, जो आतंकवाद को वित्त पोषित कर पोसते हैं। निर्दोष लोग मरते रहे जबकि संकल्प पत्र हस्ताक्षर का इंतजार करते गए। भारत ने लंबे समय तक इंतजार किया। अब उसने एक मार्ग पेश किया है ङ्क प्रभुत्व बनाने का नहीं, बल्कि रूपरेखा बदलने का। विचारधारा निर्यात करके नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत विचार को मूर्त रूप देकर – साझा नियति के भीतर मतभेदों का सह-अस्तित्व।

नव व्यवस्था

जब कुछ हो, हम अपने हिसाब से काम करेंगे-विविधता में एकता भारत की केवल सभ्यतागत विरासत नहीं है, यह इसकी भू-राजनीतिक खासियत रही। उकसाकर विभाजित करने और पहचान के आधार पर हथियारबंद कर विद्रोह करवाने का एकमात्र प्रभावी तोड़। भारत अब आतंकवाद या उस पर प्रतिक्रिया को परिभाषित करने के वास्ते दुनिया का इंतजार नहीं करेगा। यह उनसे सहयोग करेगा जो यह होने पर पहले आवाज़ उठाएं, न कि तब, जब चोट पहुंचे। चुप्पी की कीमत निर्दोष लोगों को चुकानी पड़ती है, न कि तटस्थ बने रहने वालों को। भविष्य उन लोगों का है जो आपसी सहयोग करेंगे, न कि उनका जो जोर-जबरदस्ती करते हैं।युद्ध का चरित्र बदल रहा हैं। 'युद्ध से पहले युद्ध जीतना' टकराव की सीढ़ी का नया पायदान है। मुझे लगता है कि इसमें और भी कई पायदान होंगे। समय ही बताएगा।

साभार- लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सनातन संस्कृति से जोड़ने हनुमान चालीसा पाठ

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

हिंदू चेतना सेवा समिति मंडल द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत चल रहे क्रमिक हनुमान चालीसा पाठ का 77 व चरण श्रीगंज वाले हनुमान मंदिर तिरंगा चौक में भव्य और श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ।

इस धार्मिक अनुष्ठान में कई श्रद्धालु युवक युवतियां तथा समिति के सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को धर्म आध्यात्मिक सेवा और सनातन संस्कृति से जोड़ना तथा समाज को नशा मुक्त बनाना है।

सामाजिक जागरूकता एक यज्ञ के समान

अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि यह अभियान केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि

एक सामाजिक जागरूकता का यज्ञ है जो धर्म की शक्ति से समाज को दिशा देने का प्रयास कर रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री राम स्तुति और संकीर्तन से हुई। तत्पश्चात् हनुमान चालीसा का सात बार सामूहिक पाठ किया गया। आरती पश्चात प्रसादी वितरण और नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया।

पाठ में अर्णव रघुवंशी,नितिन अग्रवाल, आकाश जैन, अभिराज शर्मा गुरुजी, विपिन तिवारी, सचिन शुक्ला, रोहित सेन, अमन विश्वकर्मा, अखिलेश तिवारी, महेंद्र पाल, नरेंद्र राय, अनिकेत पाल, मनीष सेन, प्रभात बारिया, राजेंद्र, प्रीति राजपूत रामनारायण साहू, गणेश पाठक, विक्की विश्वकर्मा, योगेंद्र माझी, मोहित रघुवंशी एवं कई युवा एवं महिलाएं सम्मिलित हुई।

गंज हनुमान मंदिर पर श्रीराम यज्ञ पूर्णाहुति पर हुआ विशाल भंडारा

गंजबासौदा। श्री गंज हनुमान मंदिर पर चल रहे 51 कुंडीय श्रीराम यज्ञ की पूर्णाहुति एवं श्रीमद् भागवत जी के समापन पर रविवार विशाल नगर भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे का शुभारंभ सुबह 11 बजे विधि विधान से पूजन कर हनुमानजी को भोग लगाकर किया गया। भंडारे के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। जिसमें शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र से विशाल भंडारे में लगभग 50 हजार से अधिक श्रृद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ लिया। भंडारे में देर रात तक भोजन प्रसादी का कार्यक्रम चलता रहा। श्री गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास त्यागी ने बताया कि यज्ञ का आयोजन शहर और पूरे देश के सुख-शांति एवं विश्व कल्याण की भावना से किया गया। आयोजन में सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

विद्यार्थियों ने इंटर्नशिप में न्यायालय से जेल तक की प्रक्रिया को समझा

नर्मदापुरम. सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायाधीश विजय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह, नर्मदा उत्कृष्ट महाविद्यालय के प्राचार्य राम कुमार चौकसे , विधि विभाग की विभागाध्यक्ष अपूर्वा वर्मा, पूजा अवस्थी के निर्देशन में छात्रों ने इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत जेल भ्रमण के दौरान विधि प्रशिक्षुओं ने न्यायालय से जेल तक की प्रक्रिया को समझा, वारंट शाखा देखी, जेल के अंदर खाना बनाने का स्थान, चिकित्सा सहायता और स्कूल का संचालन भी देखा, सत्र के दौरान कानून के छात्र डॉ. मयंक तोमर, मुस्कान कुशराम, रिंकू वर्मा, रजनी परिहार, दिव्या कुमरे, आदि उपस्थित थे। जेल अधीक्षक संतोष सिंह सोलंकी, उप जेल अधीक्षक प्रह्लाद वरकड़े, जेल विभाग से अष्टकोण अधिकारी हितेश बांडिया ने जेल भ्रमण में प्रशिक्षुओं की मदद की.

अब बारिश में भी गौशाला और खेतों तक पहुंचने में होगी आसानी

गंजबासौदा। राष्ट्र,धर्म, समाज और गौ सेवा के पुनीत कार्य में जो भी बाधाएं होंगी उनका निराकरण करना मेरी पहली प्राथमिकता है। आपके विश्वास पर खरा उतरना मेरा प्रथम दायित्व है। ग्राम नेगमा पिपरिया में गौशाला तक पहुंचने में कच्ची सड़क बाधा उत्पन्न कर रही थी। अब ग्रेवल सडक से गौशाला तक पहुंचने में सुगमता होगी। गौ माता व ग्रामीणों को गौ शाला तक पहुंचने में कोई बाधा नहीं होगी गौ माता की सेवा करने में भी आसानी होगी। आज मुझे ईश्वर की कृपा से गौ माता और जनसेवा करने का मंगल अवसर मिला है। उक्त बात विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने नेंगमा पिपरिया में ग्रेवल सड़क के भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए व्यक्त की। ग्रेवल सड़क मांग को विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने भूमि पूजन कर पूरी किया। 19 लाख रुपए की लागत से बनने वाली ग्रेवल सड़क ग्राम नेंगमा पिपरिया से गौ शाला तक जाएगी, दो किलोमीटर की यह सड़क अभी ग्रामीणों को गौ सेवा के लिए खेतों की कच्ची जगह से कीचड़ में सराबोर होते हुए गौशाला जाना पड़ता था। गौ माता को भी आने जाने में परेशानी होती थी जिससे दुखी होकर ग्रामीणों ने विधायक से गुहार लगाई थी। इसके बाद विधायक ने ग्रेवल सड़क स्वीकृत कर भूमि पूजन किया। विधायक ने ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए अपील की हम सभी को गौ माता की सेवा और रक्षा करना चाहिए। ठीक वैसे ही हम सभी नागरिकों को सड़क की भी रक्षा करना चाहिए। सड़क किनारे अतिक्रमण और क्षतिग्रस्त नहीं करना चाहिए। क्योंकि सड़क हमारे देश के विकास की धमनियां कहलाती हैं।

होमगार्ड लाइन एवं एन.एम.वी. कॉलेज में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को नागरिक सुरक्षा का दिया प्रभावी प्रशिक्षण

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

बदलती आंतरिक एवं बाह्य परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और त्वरित आपदा प्रतिक्रिया क्षमता को सुदृढ़ करने नर्मदापुरम स्थित होमगार्ड लाइन एवं एन.एम.वी. कॉलेज में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत 150 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स एवं 80 जन अभियान परिषद सदस्यों को वॉलंटियर्स के रूप में नामांकित कर व्यवहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें कुल 230 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की।

प्रशिक्षण का नेतृत्व स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स (एस.डी.ई.आर.एफ.) टीम की प्रभारी श्रीमती अमृता दीक्षित

शिवराज चौधरी द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, नागरिक सुरक्षा के उपाय, हवाई हमले के उपरांत राहत एवं बचाव कार्यों, तथा अन्य आपात स्थितियों से निपटने हेतु प्रायोगिक एवं रणनीतिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

जिला सेनानी राजेश जैन ने प्रशिक्षण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि ऐसे सत्र वॉलंटियर्स को केवल जागरूक नहीं बनाते, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर प्रशासन के एक सक्षम सहयोगी के रूप में तैयार करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षित वॉलंटियर्स आपदा की घड़ी में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कार्यशाला के सफल आयोजन में जिला समन्वयक पवन सहगल एवं टास्क मैनेजर सैयद शाकिर अली जाफरी का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक विवेक मालवीय, राजेश गौर, अरुण राणा, नीरज चतुर्वेदी, नेहा तिवारी, राजेंद्र तिवारी सहित नवांकुर संस्था के प्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में सम्मिलित वॉलंटियर्स ने विषय-वस्तु में गहन रुचि दिखाई तथा नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन में अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से आत्मसात किया।

कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के संकल्प, उत्साह और सेवा भावना के साथ हुआ कि वे भविष्य में किसी भी आपदा या संकट की स्थिति में समाज हित में सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

विधायक की अनुशंसा पर 46 हितग्राहियों को 2.35 लाख की स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम. विधायक पिपरिया की अनुशंसा पर कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा स्वेच्छानुदान निधि से 46 हितग्राहियों को कुल 02 लाख 35 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

विधायक पिपरिया ठाकुर दास नागवंशी की अनुशंसा पर तहसील पिपरिया के 01 हितग्राही को 10 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। इसी तरह तहसील पिपरिया/बनखेडी एवं न.प. पिपरिया/बनखेडी के 45 हितग्राहियों को क्रमशः 5-5 हजार रूपये कुल 02 लाख 25 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

कायरव का आयुष्मान योजना से हुआ मुफ्त हृदय रोग का उपचार

जिला प्रशासन ने मुंबई आने जाने के लिए दी आर्थिक सहायता

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

आयुष्मान योजना ऐसे सभी हितग्राहियों के लिए वरदान साबित हो रही है जो बड़ी बीमारियों का ऑपरेशन कराने में सक्षम नहीं है। नर्मदापुरम जिले के माखन नगर ब्लॉक के ग्राम गूजरवाड़ा के डेढ़ वर्षीय बालक कायरव कहार का एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल मुंबई महाराष्ट्र में 28 अप्रैल 2025 को टीओएफ नामक हृदय रोग की बीमारी का सफलतापूर्वक आयुष्मान योजना से निशुल्क ऑपरेशन हुआ। बालक कायरव के पिता का स्वर्गवास हो चुका है एवं मां पूजा कहार ने नर्मदापुरम नगर के निजी अस्पताल में बालक को परेशानी होने पर दिखाई जहां पर डॉक्टर द्वारा बताया गया कि बच्चा हृदय रोग से पीड़ित है, जिसका ऑपरेशन बाहर होगा एवं खर्चा भी बहुत आयेगा। अतः आप इनको शासकीय समर्पण केंद्र नर्मदापुरम में ले जाएं जहां पर ऐसे हितग्राहियों के लिए शासन द्वारा मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना या आयुष्मान योजना आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत निशुल्क उपचार हो सकता है, निजी अस्पताल के चिकित्सक की सलाह पर बच्चे की मां पूजा कहार बच्चे को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र समर्पण केंद्र नर्मदापुरम लेकर आई जहां वह कोऑर्डिनेटर कविता साल्वे से मिली एवं पूरी स्थिति बताई, जिस पर आयुष्मान योजना से बच्चों का

प्रकरण तैयार कर सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार द्वारा प्रकरण स्वीकृत कर उपचार हेतु उच्च संस्था हेतु भेजा गया। बच्चे की मां ने बताया कि हमारे पास मुंबई आने जाने का किराया नहीं है इस पर जिला प्रशासन ने हितग्राही के आवेदन का अवलोकन किया। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा ऑपरेशन हेतु मुंबई आने जाने के लिए 10 हजार रूपये की राशि की सहायता दी गई, जिससे बच्चे की मां पूजा कहार ने मुंबई ले जाकर आयुष्मान योजना से उपचार कराया। बच्चा वर्तमान में स्वस्थ है एवं खेल कूद रहा है किसी प्रकार की कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं है एवं आरबीएस के की टीम माखन नगर द्वारा उसका फॉलोअर किया जा रहा है। हितग्राही की मां पूजा कहार ने प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं कलेक्टर, सीएमएचओ तथा समस्त जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र नर्मदा के समस्त स्टाफ का करबद्ध आभार व्यक्त किया है।

सतपुड़ा का अद्वितीय योद्धा : नर्मदांचल के वीर सपूत राजा भभूत सिंह का गौरवशाली इतिहास

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

राजा भभूत सिंह, जो 19वीं सदी में सतपुड़ा की गोद में बसे पगारा के गोंड शासक थे, स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय योद्धा और 1857 की क्रांति के प्रभावशाली सेनानी के रूप में जाने जाते हैं। उनका जन्म पचमढ़ी जागीर के स्वामी ठाकुर अजीत सिंह के वंश की हर्राकोट राईखेड़ी शाखा में हुआ था। उनके दादा ठाकुर मोहन सिंह ने 1819-20 में नागपुर के पराक्रमी पेशवा अप्पा साहेब भोंसले का साथ अंग्रेजों के विरुद्ध दिया था। इसी क्रांतिकारी परंपरा से प्रेरित होकर राजा भभूत सिंह ने भी अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध का बिगुल बजाया।

1857 की सशस्त्र क्रांति में राजा भभूत सिंह ने तात्या टोपे के साथ मिलकर सतपुड़ा की वादियों में आज़ादी की मशाल जलायी। तात्या टोपे और भभूत सिंह ने पचमढ़ी में आठ दिन तक पड़ाव डालकर अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन की योजना बनाई। हर्राकोट के जागीरदार के रूप में भभूत सिंह का आदिवासी समाज पर विशेष प्रभाव था, जिसे उन्होंने क्रांति में संगठित किया।

राजा भभूत सिंह का रण कौशल शिवाजी महाराज की तरह बताया जाता है। वे पहाड़ी रास्तों और क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति से भलीभांति परिचित थे, जबकि अंग्रेज इस इलाके से अनभिज्ञ थे। देनवा घाटी

में अंग्रेजी मिलिट्री और मद्रास इन्फैंट्री को पराजित कर उन्होंने अंग्रेजों को हिला कर रख दिया।

राजा भभूत सिंह के खिलाफ अंग्रेज अधिकारी एलियट की 1865 की सेटलमेंट रिपोर्ट में विस्तार से उल्लेख मिलता है। अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ने के लिए मद्रास इन्फैंट्री को बुलाया था। 1860 तक उन्होंने अंग्रेजों से संघर्ष जारी रखा, लेकिन अंततः अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर जबलपुर में कैद कर दिया, जहां उसी वर्ष उनकी मृत्यु हो गई।

लोकमानस में आज भी उनकी वीरता के किस्से जीवंत हैं। कहा जाता है कि वे मधुमक्खियों का उपयोग भी अंग्रेजों से युद्ध में करते थे। पिपरिया-पचमढ़ी रोड पर स्थित ग्राम सिमारा को उनकी ड्योढ़ी माना जाता है।

राजा भभूत सिंह को नर्मदांचल का वीर सपूत और सतपुड़ा का शिवाजी कहकर आज भी श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया जाता है। उनका जीवन स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में प्रेरणा का स्त्रोत है।

मेट्रो एंकर श्रमदान दल का सराहनीय स्वच्छता आंदोलन

आज भी श्रद्धा के नाम पर लोग नदी में पूजन सामग्री व प्लास्टिक थैली कर रहे प्रवाहित

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

चार वर्षों से लगातार चल रहे नदी जल स्वच्छता आंदोलन के अंतर्गत साप्ताहिक श्रमदान अभियान 4.0 का 35वां चरण रविवार को बेतवा नदी के रिपटा घाट पर सम्पन्न हुआ। श्रमदान दल ने कहा कि हम घाट से केवल कचरा नहीं उठा रहे बल्कि उस गंदगी को हटाने का प्रयास कर रहे हैं जो लोगों की सोच में घर कर चुकी है कि नदी में कुछ भी फेंक देना चलता है। अभियान के दौरान एकत्र किया गया एक ट्रॉली से अधिक कचरा इस कटु सच्चाई का साक्ष्य है कि आज भी श्रद्धा के नाम पर लोग नदी में प्लास्टिक की थैलियां, पूजा सामग्री, कपड़े, राख, बासी भोजन, सर्जिकल कचरा, दवाइयां और न जाने क्या-क्या प्रवाहित कर रहे हैं।

साप्ताहिक श्रमदान अभियान 4.0 का 35वां चरण रविवार को बेतवा नदी के रिपटा घाट पर सम्पन्न

इस चरण की सबसे विशेष बात यह रही कि इसमें केवल नियमित श्रमदानी नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अभियान में प्रमुख रूप से शामिल रहे।

नीलेश विश्वकर्मा, अंशुल रघुवंशी, मोहित प्रभाकर, विजय कुमार, गजराज राय, राकेश रघुवंशी, नितिन अग्रवाल, आकाश जैन, तथा नन्हें बाल श्रमदानी- रिंकेश केवट, प्रथम केवट और सौरभ केवट इन बच्चों की सहभागिता इस बात का प्रतीक है कि यदि हम उन्हें प्रारंभ से ही प्रकृति से जोड़ें, तो वे न केवल भविष्य के पर्यावरण रक्षक बनेंगे बल्कि समाज को भी नई दिशा देंगे।जब बच्चे श्रमदान करते हैं तो वे केवल कचरा नहीं उठाते वे भविष्य की चेतना का संकल्प उठाते हैं।

जब युवा जुड़ते हैं, तो यह संकेत होता है कि समाज अब जागने लगा है। परंतु यह चेतना तब ही व्यापक बनेगी, जब अधिक से अधिक नागरिक स्वयं को इस अभियान का हिस्सा बनाएंगे।

पक्षियों की प्यास बुझाने युवाओं ने की पहल: पेड़ों ,घरों व छतों पर कर रहे पानी की व्यवस्था

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गर्मीयो मै पशु पक्षियों को भी पानी की आवश्यकता अधिक होने लगती है। हम तो पानी एकत्रित करके रख लेते हैं लेकिन पशु पक्षियों को पानी की तालाश करना पड़ता है। अगर छोटा सा प्रयास कर अपने घर के आसपास पेड़ों में पशु पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था कर दें तो हर साल प्यास से मरने वाले पक्षियों की संख्या में कमी आ जाएगी। इसी उद्देश्य के साथ पत्रिका ने पक्षी मित्र अभियान शुरू किया है। जिससे जुडक़र आप इस नेक काम में अपना योगदान दे सकते हैं। पक्षियों के प्यास की चिंता करते हुए तेंदूखेड़ा विकासखंड के बच्चों एवं युवाओं ने हाथ बढ़ाया है। सभी ने मिलकर विभिन्न स्थानों पर पक्षियों एवं पशुओं के लिए पानी, भोजन की व्यवस्था में जुट गए हैं। हरीश तिवारी, राजा शर्मा ,नरेश केवट, अंगद सौंग, खुशी तिवारी ,शिवम तिवारी आदि का कहना है कि गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर

खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए, गर्मियों में कई परिंदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। लोगों का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस पास उडऩे वाले परिंदों की प्यास बुझाकर उनकी जिंदगी बचा सकता है। सुबह आंखें खुलने के साथ ही घरों के आस-पास गौरेया, मैना व अन्य पक्षियों की चहक सभी के मन को मोह लेती है। घरों के बाहर फुदकती गौरेया बच्चों सहित बड़ों को भी अपनी ओर आकर्षित करती है। गर्मियों में घरों के आसपास इनकी चहचहाहट बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोग पक्षियों से प्रेम करें और उनका विशेष ख्याल रखें। गर्मी में अपने घरों के बाहर, छतों पर पानी के बर्तन रखें और हो सके तो छतों पर पक्षियों के लिए छाया की व्यवस्था भी करें। इससे गर्मी में तापमान से राहत मिलती है और शरीर में पानी की कमी नहीं होती। वहीं मवेशियों के लिए भी अपने घरों के सामने एक पात्र रखना चाहिए। जिसमें मवेशियों के पीने योग पानी रख देना चाहिए। घरों के बाहर पानी के बर्तन भरकर टांगें या बड़ा बर्तन अथवा कटोरो मै पानी भरकर रखें, जिससे मवेशी व परिंदे पानी देखकर आकर्षित होते हैं। छत में भी पानी की व्यवस्था करें, छायादार जगह बनाकर वहां पानी के बर्तन भर कर रखें।

किसानों का आरोप कुछ लोग बदनाम करने का कर रहे प्रयास

कलेक्टर के निर्देश पर श्रीनाथ वेयर हाउस की जांच करने पहुंची टीम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पथरिया स्थित सियाल पुर समिति के समर्थन मूल्य के श्रीनाथ वेयर हाउस खरीदी केंद्र पर रेत मिली मसूर खरीदी एवं भंडारण की शिकायत शनिवार को विदिशा कलेक्टर से की गई थी। इसके बाद रविवार दोपहर में पांच सदस्यीय दल के सदस्यों ने श्रीनाथ वेयरहाउस पहुंचकर भंडारण की गई मसूर के सैंपल लिए। इस दौरान टीम ने करीब 3 घंटे से अधिक समय तक वेयर हाउस में रुककर जांच पड़ताल की। इस दौरान वेयरहाउस के अंदर रखी मसूर के स्टैंको में भी परखी डालकर मसूर निकली गई और उसकी मौके पर ही जांच पड़ताल की, इसके अलावा प्लेट में एक साथ मसूर की उपज भरकर एक-एक दाने की जांच पड़ताल की गई। जांच टीम ने अपने सामने ही मसूर में छनना भी लगवाया। इस दौरान जांच अधिकारी कृषि विभाग के उपसंचालक के.एस.खपेडिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा वेयरहाउस में रेत मिली मसूर की तुलाई की शिकायत की गई थी। कलेक्टर सर के निर्देश पर हमारी टीम जांच करने आई थी हमने सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच की जांच के दौरान कहीं भी रेत

मिली नहीं पाई गई है। हालांकि कुछ बोरियों में अमानक दिखाई दिए हैं, जिसकी भी जांच पड़ताल की गई है। हम पूरी रिपोर्ट तैयार करके सोमवार को कलेक्टर महोदय के समाने प्रस्तुत करें उनके निर्देश के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी तब तक के लिए वेयरहाउस को विभागीय निगरानी में रखा गया है। वही इस दौरान जांच टीम में उन किसानों को भी मौके पर बुलाया जिसमें घटवार के किसान दीपक रघुवंशी ने मीडिया के सामने अधिकारियों को अपने कथन में बताया कि जमीन पर पड़ा माल हमारा है, शुक्रवार को हम इसे लेकर आए थे।, लेकिन तभी अचानक तेज हवा और पानी के कारण उसे जमीन पर डंप कर दिया यदि वेयरहाउस के अंदर नहीं पटकते तो पूरा माल खराब हो जाता। हालांकि इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों ने वेयरहाउस के अंदर उपज डालने से माना किया था। लेकिन हमारे पास और कोई विकल्प नहीं था। अगले दिन सर्वेयर ने हमारी मसूर की उपज को रिजेक्ट कर दिया। वही दूसरी गुलाबगंज के किसान अमन का कहना था कि हवा और बारिश के कारण हमने वेयरहाउस के अंदर माल पटक दिया था। मसूर रिजेक्ट होने के बाद हम आधी उपज घर ले गए बाकी बची हुई उपज भी ले जाएंगे लेकिन तब तक इतना बड़ा ड्रामा हो गया। जिसके कारण हम अपनी ही उपज को नहीं ले जा पा रहे हैं। अभी तक ना हमारा मसूर की उपज पास हुई है और ना ही ऑनलाइन की गई, और ना ही उसकी कोई पर्ची बनी है। वही इस दौरान उपायुक्त सहकारिता पी.एस. बरोठिया , जिला विपणन अधिकारी कल्याण सिंह ठाकुर, कृषि विभाग के सहायक संचालक महेन्द्र कुमार ठाकुर, म.प्र वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन नरेन्द्र सिंह ठाकुर, सिरोंज जिला सहकारी बैंक प्रबंधक प्रकाश बाबू शर्मा, कृषि विभाग के एसडीओ वीरेंद्र कुमार मालवीय सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

इनका कहना है

कुछ असामाजिक तत्व किसानों को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं, आज जांच दल की जांच में भी यह सिद्ध हो गया। क्योंकि दर्जनों लोगों के सामने सामूहिक रूप से जांच की गई कहीं भी रेत नहीं पाई गई है। लेकिन किसानों को बदनाम करने के लिए रेत की बात कही जा रही थी। अन्नदाता कभी भी मिलावट करके तुलाई नहीं करवाता है।

-धर्मेंद्र सिंह रघुवंशी
किसान

अचानक मौसम बदलने के साथ तेज हवा और बारिश के कारण दो-तीन किसानों ने अपनी उपज वेयरहाउस के अंदर डंप कर दी थी, मानवता के नाते हम भी कुछ नहीं कर सके, क्योंकि यदि अंदर नहीं आने देते तो बारिश में उपज भीग जाती। हालांकि अधिकारियों के निर्देश पर हमने किसानों की उपज तत्काल उठवा दी, जो बची है उसे भी उठाया जा रहा था। लेकिन कुछ लोग जबरदस्ती बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। आज जांच टीम ने 3 घंटे से अधिक समय तक जांच पड़ताल की उन्हें भी इस दौरान कहीं रेत मिली मसूर नहीं मिली।

-मोहित रघुवंशी श्रीनाथ
वेयरहाउस संचालक

कलेक्टर महोदय के निर्देश पर पांच सदस्यीय दल ने श्रीनाथ वेयरहाउस के अंदर भंडारण में रखी मसूर की उपज की जांच पड़ताल की है, जिसमें रेत नहीं मिली है, इसके अलावा जमीन पर पड़ी किसानों की उपज में कुछ मिट्टी और कचड़े की मात्रा पाई गई है। जिसकी रिपोर्ट बनाई जा रही है रिपोर्ट के बाद ही आगामी कार्रवाई की जाएगी।

-के.एस.खपेडिया
उपसंचालक

सुबह से दोपहर तक उमस ने किया बेहाल तेज हवा के साथ हुई बारिश

सिरोंज। रविवार को सुबह से ही चिल चिलाती धूप के कारणों लोगों की हालत खराब हो रही थी अचानक से तापमान बढ़ने से गर्मी का प्रकोप इतना ज्यादा था कि घरों से निकलने में मुश्किलें हो रही थी दोपहर के बाद आसमान पर बादलों की लुक्का छिपी का दौर प्रारंभ होगा था इस वजह से बेचैनी का समान भी करना पड़ा हवा के साथ बिजली गायब हो गई जिसको आने में काफी समय लग गए फिर तेज आंधी के साथ काफी देर तक बारिश होने से जहां मौसम में ठंडा खुल गई गर्मी से भी राहत मिल गई आधी धूल भरी आंधी चलने से टीन सेट बैनर पोस्ट हवा में ताश के पत्तों की तरह उड़ रहे थे। गति इतनी ज्यादा था कि चालकों को भी इस दौरान अपने वाहनों के पहिए थामने पड़े।

सीएम हेल्पलाइन के मामलों में विदिशा प्रदेश में आठवें स्थान पर

सिरोंज। विदिशा सीएम हेल्पलाइन के तहत आज जारी रैंकिंग सूची में विदिशा जिला की प्रदेश में आठवें स्थान पर है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने

अप्रैल माह की सभी 11029 शिकायत के निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश प्रसारित किए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहां है कि अनुविभाग स्तर पर शिविरों का आयोजन कर आवेदकों से संवाद उपरांत संतुष्टि पूर्वक समाधान कराने की पहल की जाए। उन्होंने ग्रेडिंग माह अप्रैल की शिकायतों के साथ-साथ 50 दिवस की शिकायतों के निराकरण पर विशेष बल दिया है। सीएम हेल्पलाइन की रविवार 18 मई की स्थिति में जारी रैंकिंग सूची तदनुसार जिले में विभिन्न विभागों की अप्रैल माह की कुल 11029 शिकायतों में से 80.26 प्रतिशत शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।शेष सभी शिकायतों का निराकरण जिले को प्रदेश में अव्वल लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा है कि विभागों के द्वारा निराकृत किए जाने वाले आवेदनों के मामलों में संतुष्टि का वेटेज 55 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए। विभाग वार जारी रैंकिंग सूची में जिले जिन विभागों के निराकरण स्थिति ठीक नहीं उन्होंने विशेष निर्देश दिए गए हैं उनमें अक्षय ऊर्जा, जल संसाधन ,स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग ,लोक सेवा प्रबंधन, सबसे खराब निराकरण है । वहीं स्कूल शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सुषम लघु एवं मध्यम विभाग पिछड़ा वर्ग, ग्रामोद्योग, अनुसूचित जाति कल्याण, राजस्व विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग आयुष विभाग, नगरील विकास एवं आवास विभाग, गृह विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग ,लोक निर्माण विभाग, वाणिज्य कर विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, योजना एवं आर्थिक , की सहकारिता, श्रम विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ,उद्यानिकी एवं खाद्य संस्करण विभाग, खनिज विभाग को अथक प्रयास की आवश्यकता अभिव्यक्त की गई है।

नायब तहसीलदार ने मौके पर सीमांकन कराया

सिरोंज। विदिशा सीएम हेल्पलाइन के तहत राजस्व विभाग के लंबित आवेदनों के निराकरण हेतु जिले में विशेष पहल की जा रही है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में राजस्व अधिकारियों के साथ साथ अमला डोर टू डोर संपर्क कर सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का निराकरण कराया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत आज शमशाबाद के नायब तहसीलदार डॉ दर्शन लाल नेगी ने स्वयं पहुंचकर चार सीमांकन संबंधी सीएम हेल्पलाइन आवेदनों का संतुष्टि पूर्वक समाधान कराया है। नायब तहसीलदार ने अपनी उपस्थिति में चारों सीमांकन कराने के कार्य आवेदकों की मौजूदगी में संपन्न कराएं है। इसके पश्चात आवेदकों ने सीएम हेल्पलाइन नम्बर 181 पर फोन कर संतुष्टि पूर्वक कार्य पूर्ण होने से अवगत कराया गया है। नायब तहसीलदार डॉ दर्शन लाल नेगी ने आज रविवार को समाधान में शिकायत सन्तुष्ट पूर्वक निराकरण हेतु ग्राम हीरापुर के सीमांकन प्रकरणो का निराकरण कराया।

आरएसएस, मध्य भारत प्रांत का महाविद्यालय विद्यार्थियों का शिक्षा वर्ग प्रारंभ, 31 जिलों के स्वयंसेवक ले रहे हैं प्रशिक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ मध्य भारत प्रांत के महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्यकर्ताओं के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। 17 मई से प्रारंभ हुऐ शिक्षा वर्ग का औपचारिक उद्घाटन रविवार को किया गया। पूरा कार्यक्रम सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित हो रहा है। उद्घाटन वर्गाधिकारी प्रहलाद सबनानी, वर्ग कार्यवाह त्रिवेश लोधी,वर्ग पालक सुरेन्द्र सिंह एवं प्रान्त सह कार्यवाह विजय दीक्षित ने माँ भारती के चित्र पर पुष्प अर्चन दीप प्रजवलित का किया गया। साथ ही वर्ग में बौद्धिक प्रदर्शनी व वाचनालाय का शुभारंभ भी किया गया।

संघ शिक्षा वर्ग में सम्मिलित शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने

व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे।

वक्ता के रूप में शिक्षार्थीयों क़ो उद्बोधन देते हुए मध्य भारत प्रांत के प्रांत सह कार्यवाह विजय जी दीक्षित ने कहा कि संघ की ओर से प्रतिवर्ष अपने कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया जाता है। संघ शिक्षा वर्ग में हमें मन की साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन, सामूहिक जीवन के सामंजस्य को सीखते हुए विविध प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना है। यहाँ हमें सामूहिक जीवन को व्यापक संदर्भ में समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ग में हमें स्वयं के लिए कठोर अनुशासन का पालन करते हुई प्रशिक्षण प्राप्त करना है।

उन्होंने कहा कि जैसे हमारे देश की सेना ने आपरेशन सिंदूर क़ो सफलता पूर्वक अभियान सफल बनाया, जिसके लिए उनका भी विशेष प्रशिक्षण होता है, वैसे ही हमारे यह प्रशिक्षण होते है। भारत युवा देश है। यहां सबसे ज्यादा युवा रहते है।

शारीरिक दृष्टि से सक्षम होने के लिए तो जिम भी है, किन्तु बौद्धिक दृष्टि से सक्षम होने के लिए कोई जिम नही होता किन्तु हमारे वर्गो के प्रशिक्षण बौद्धिक क्षमता क़ो भी बढ़ाया जाता है। मन व शरीर क़ो सक्षम बनाने हेतु वर्ग में प्रशिक्षण हम सभी आदर पूर्वक करते है।

उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक क़ो सांस्कृतिक एवं सामजिक योद्धा बनना पड़ेगा। इसके लिए भारत क़ो जानो, भारत की मानो और भारत के बनो। हमारा भारत आज खंडित है किन्तु एक दिन निश्चित अखंड होगा। आज पूरा विश्व भारत की और देख रहा है. उसका साथ देना चाहता है।

संघ की रचना के 31 जिलों के कुल 383 स्वयंसेवक इस संघ शिक्षा वर्ग में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जो स्वयंसेवक पहले 7 दिन के प्राथमिक वर्ग का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं और संघ के कार्य में सक्रिय रहते हैं, उनमें से ही चयनित कार्यकर्ताओं को संघ शिक्षा वर्ग में भेजा जाता है।

कोचिंग सेंटर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

सिरोंज। नगर के रामलला पथ स्थित न्यू एरा कोचिंग क्लासेस में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिविर में न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायाधीश विजय कुमार पांडे द्वारा छात्र-छात्राओं को बताया कि अपना लक्ष्य बनाए और कैसे उसको हासिल करने के लिए किस प्रकार से हासिल करें और तैयारी किस प्रकार से करें। उन्होने छात्रों से संवाद किया जिस पर छात्र प्रियांश शर्मा ने पूछा की जज किस प्रकार से बनते हैं, एवं सभी ने कुशल भविष्य के लिए प्रश्न पूछे गए जिसमें सभी को भविष्य के लिए नई दिशा मिली। किस भी कार्य को करने के लिए 4 प्रकार से कार्य करना जरूरी है, जिसमें पहला विचार दूसरा तैयारी तीसरी परिश्रम तब जाकर चौथी सफलता मिलती है,अपनी पढ़ाई की तैयारी में सोशल मीडिया का भी सदुपयोग करें। इस दौरान बड़ी संख्या में कक्षा बारहवी के छात्र-छात्राएं और कोचिंग संचालक मनु ठाकुर,पैरालीगल वालंटियर समाजसेवी रामबाबू कुशवाह आदि मौजूद रहें।

मेट्रो एंकर — एसपी ने ली थाना/कोर्ट में पदस्थ कोर्ट मुंशियों/कोर्ट मुहर्रिरों की समीक्षा बैठक

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी द्वारा दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पुलिस कंट्रोल रूम, विदिशा में पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी की उपस्थिति में जिले के समस्त थाना कोर्ट मुंशी एवं न्यायालय कोर्ट मोहर्रिर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा थानावार स्थाई वारंट, समंस, गिरफ्तारी वारंट की तामीली, अपराधों के चालान की न्यायालय में प्रस्तुति तथा न्यायिक कार्यवाही में पुलिस की भूमिका की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में निम्न मुख्य निर्देश दिए गए

- चिन्हित एवं सनसनीखेज प्रकरणों में शत-प्रतिशत साक्ष्य प्रस्तुति सुनिश्चित कराई जाए।
- इसी प्रकार अन्य गंभीर अपराधों में भी साक्ष्य एवं साक्षी को समय पर प्रस्तुत किया जाए।
- न्यायालय से भेजे जाने वाले समंस एवं वारंट ऑफलाइन के बजाय ऑनलाइन माध्यम से भेजे जाएं।
- समंस वारंट का तामिली प्रतिशत बढ़ाया जाए।
- थानों द्वारा भेजे जाने वाले समंस/वारंट के त्वरित निष्पादन हेतु प्रत्येक थाना स्तर पर निष्पादन अधिकारी नियुक्त किया जाए।
- निष्पादन अधिकारी द्वारा समंस/वारंट की तामीली में पेशी दिनांक की प्रतीक्षा न करते हुए, प्राप्त होते ही तत्काल तामील कराई जाए एवं उसकी रिपोर्ट सीसीटीएनएस पोर्टल पर दर्ज की जाए।
- ऑनलाइन प्राप्त समंस/वारंट को अन्य थानों में स्थानांतरित न किया जाए जब तक ऐसा करना आवश्यक न हो।
- ई-समन/वारंट की समय से तामीली कराना अनिवार्य है। सभी कोर्ट मुंशी एवं मोहर्रिरों को निर्देशित किया गया कि न्यायिक प्रक्रिया में समयबद्धता, पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए, जिससे न्यायालयीन कार्यों में पुलिस की कार्यकुशलता और सुदृढ़ हो सके।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे, रक्षित निरीक्षक भूर सिंह चौहान सहित समस्त थानों के न्यायालय कोर्ट मुंशी एवं कोर्ट मोहर्रिर उपस्थित रहे।

आईपीएल-2025, गुजरात समेत 3 टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई,

नंबर-4 के लिए मुंबई-दिल्ली में होगी फाइट

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के 60वें मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही गुजरात के 12 मैचों में 18 अंक हो गए हैं और अंक तालिका में टॉप पर अब गुजरात की टीम पहुंच गई है। गुजरात ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई भी कर लिया है। साथ ही आरसीबी और पंजाब की टीम का भी प्लेऑफ टिकट पक्का हो गया है। लेकिन नंबर-4 के लिए मुंबई और दिल्ली में तगड़ी फाइट है। यहां समझें पूरा समीकरण

गुजरात की टीम 12 मैच में 18 अंक के साथ टॉप पर है और क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, आरसीबी के 12 मैच में 17 अंक हैं और उसने भी प्लेऑफ की सीट पक्की कर ली है। पंजाब के भी 12 मैच में 17 अंक है और उसके आगे भी क्वालिफाई लिख गया है। अब नंबर 4 की लड़ाई दिलचस्प है। मुंबई के 12 मैच में 14 अंक हैं जबकि दिल्ली के 12 मैच में अब 13 अंक हैं। यानी अब दिल्ली और मुंबई में लड़ाई है। लेकिन मुंबई का रन रेट अच्छा है। यानी दोनों टीमों के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले करो या मरो वाले हैं।

यह टीमें रेस हो चुकी हैं बाहर

चेन्नई, राजस्थान, हैदराबाद और केकेआर प्लेऑफ की रेस से पूरी तरह बाहर हैं। वहीं, लखनऊ की टीम के 11 मैच में 10 अंक हैं। यानी उसके 3 मैच बचे हैं। वह भी रेस में है लेकिन उसे बचे हुए सारे मैच जीतने होंगे और साथ में ये दुआ करनी होगी की लखनऊ और मुंबई अपने दोनों मैच हारें। अगर मुंबई अपने दोनों मैच जीतती है और इधर दिल्ली भी अपने दोनों मैच जीतती है तो फिर बेहतर रन रेट के दम पर मुंबई क्वालिफाई कर जाएगी। वहीं, अगर दिल्ली और मुंबई दोनों एक-एक मैच हारती हैं तब भी मुंबई क्वालिफाई कर जाएगी। ऐसे में सबसे पहले तो दोनों टीमों के लिए अपने बचे हुए मैच जीतने होंगे और दिल्ली को बड़े अंतर से मैच जीतने होंगे।

हिटमैन को लेकर टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने किया बड़ा खुलासा, बोले-

रोहित मध्यक्रम में ऊब जाता था इसलिए उसे सलामी बल्लेबाज बनाने का फैसला किया

दुबई, एजेंसी

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारत के पूर्व टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते समय ऊब जाते थे इसलिए उन्होंने 2019 में 'हिटमैन' को सलामी बल्लेबाज बनाने का फैसला किया। शास्त्री का यह फैसला 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हुआ और इसने पारंपरिक प्रारूप में रोहित के करियर को नया मोड़ दिया। शास्त्री 2017 में भारत के मुख्य कोच बने और 2021 में उन्होंने राहुल द्रविड़ को कमान सौंप दी। उनके चार साल के कार्यकाल के दौरान रोहित

भारत के सबसे आक्रामक टेस्ट सलामी बल्लेबाज में से एक बन कर उभरे। शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, चार, पांच नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यह लड़का ऊब जाता था। मैंने फिर इस पर विचार करना शुरू किया कि वह वनडे क्रिकेट में इतना सफल क्यों है? वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर जल्दी जाना पसंद करता है।'भारत के इस पूर्व दिग्गज हरफनमौला ने कहा, मैंने सोचा कि अगर उसे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाए तो उसके पास तेज गेंदबाजों को खेलने, शॉट लगाने के लिए पर्याप्त समय होगा। उसके लिए मंच तैयार था। वह अगर इसे अपना ले तो उसके टेस्ट करियर को नयी दिशा मिल सकती है।' रोहित ने हाल ही में खेल के इस पारंपरिक प्रारूप को अलविदा कह दिया। उन्होंने अपने शानदार करियर में 67 मैचों में 12 शतक और 18 अर्धशतक की मदद से 4,301 रन बनाये।

छठें नंबर पर नहीं दिखा पाते थे एकाग्रता

शास्त्री ने रोहित के बारे में कहा, उन्होंने पांचवें और छठे नंबर पर काफी बल्लेबाजी की लेकिन वह पूरी एकाग्रता नहीं दिखा पाते थे। वह 20 , 30 रन बनाकर अपना विकेट गंवा देते थे। (मैंने सोचा) चलो उसे दबाव में डालते हैं और उसे (बल्लेबाजी क्रम में) ऊपर भेजते हैं। मुझे याद है कि मैंने उससे वेस्टइंडीज में कहा था 'हम चाहते हैं कि तुम पारी का आगाज करो'। रोहित ने टेस्ट के अपने 12 शतकों में से नौ शतक सलामी बल्लेबाज के तौर पर लगाये है।

रोहित ने विश्व कप में की शानदान बल्लेबाजी

उन्होंने कहा, मैं अगर गलत नहीं हूं तो यह (फैसला) अगस्त 2019 में लिया गया था। उस विश्व कप के बाद। विश्व कप में उसने शानदार बल्लेबाजी की थी। इसलिए उनका फॉर्म बहुत अच्छा था। उसने इसके बारे में कुछ समय तक विचार किया होगा। वह इससे असहज नहीं था। शास्त्री ने कहा, उसने पारी का आगाज करते हुए अपने पहले टेस्ट मैच में शतक जड़ा था। मैं अगर गलत नहीं हूं, तो उन्होंने पहली पारी में 100 रन बनाए और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा क्योंकि वह इसका लुत्फ उठाने लगा था। शास्त्री ने कहा कि रोहित ने अपनी तकनीक और नरम हाथों से शॉट खेलने का काफी अभ्यास किया। उसने अपनी तकनीक पर बहुत काम किया क्योंकि मुझे लगता है कि उसने इंग्लैंड में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी की थी। इंग्लैंड में परिस्थितियां काफी अलग होती है।

भारत दौरे से पहले ईसीबी ने लिया अहम फैसला,

डेटा विश्लेषक फ्रेडी वाइल्ड-लेमन को किया बर्खास्त

लंदन, एजेंसी

भारतीय टीम को अगले महीने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाना है। इससे पहले ही इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अहम फैसला लिया है। इंग्लैंड बोर्ड ने इस महत्वपूर्ण सीरीज से पहले ही अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया है। ईसीबी ने यह फैसला इसलिए लिया है कि क्योंकि टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते थे। इंग्लैंड और भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र की शुरुआत हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड के दो सीनियर क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के सीनियर डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक हैं। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं। दोनों ही इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं होंगे। इस सीरीज से हैरी ब्रुक कप्तान के तौर पर अपने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करेंगे।

सिर्फ डेटा पर भरोसा नहीं रखते कोच मैकुलम

मैकुलम केवल डेटा पर आधारित दृष्टिकोण में विश्वास नहीं रखते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान का मानना है कि यह खेल के लंबे प्रारूप की की तुलना में टी20 प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त है। मैकुलम को यह भी लगता है कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या माहौल को सरल बनाये रखने में मददगार होती है। उन्होंने कहा, इस दृष्टिकोण के तहत इंग्लैंड के खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और प्रदर्शन के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएंगे। इसके साथ ही मैच वाले दिनों में ड्रेसिंग रूम को अव्यवस्थित होने से बचाने के लिए सहायक कर्मचारियों की संख्या में कमी की गई है।वास्तव में इंग्लैंड का दृष्टिकोण भारत के विपरीत रहा है, जहां राहुल द्रविड़ के युग में डेटा पर अधिक जोर दिया गया।

एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025

निहाल सरीन का रजत पदक, वंतिका अग्रवाल ने दिखाई दमदार चुनौती

संयुक्त अरब अमीरात । संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में सम्पन्न हुई एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत के ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने ओपन वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया, वहीं महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल ने आखिरी राउंड में जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान की दौड़ में दमदार चुनौती दी।

ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने टूर्नामेंट के अंतिम राउंड में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की तरह खेलते हुए, लीड कर रहे ईरान के ऋट बर्दिया दानेशवर को हराया और 7/9 अंकों के साथ बराबरी पर पहुँच गए। हालांकि दोनों खिलाड़ियों के अंक समान रहे, लेकिन टाईब्रेक स्कोर (प्रतिद्वंद्वियों की औसत रेटिंग) के आधार पर बर्दिया दानेशवर को स्वर्ण और निहाल सरीन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह निहाल के करियर का एक और शानदार उपलब्धि रहा और उन्होंने अगले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। महिला वर्ग में भारत की वंतिका अग्रवाल ने अंतिम राउंड में मंगोलिया की नेता बाट-एदेर्ने मंगुन्जुल को हराकर जोरदार वापसी की और शीर्ष पर पहुंच गईं। हालांकि, चीन की क ट सोंग युशिन, उज्बेकिस्तान की गुलरुखबेगिम तोखिरजोनोवा को सिर्फ 32 चालों में मात देकर आगे निकल गईं। चार खिलाड़ियों के बीच समान अंक रहने के बाद टाईब्रेक स्कोर के आधार पर सोंग युशिन को स्वर्ण, मंगुन्जुल को रजत और बाला-बाएवा को कांस्य पदक मिला। वंतिका टाईब्रेक में चूक गईं, लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा।

क्रिकेटर खुद के बारे में जानकर अपनी क्षमता का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं: राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पेशेवर तौर पर क्रिकेट से जुड़ने की चाह रखने वाले लोगों को सफलता के लिए खुद को परख कर अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने की सलाह दी। कोच के तौर पर भारत को टी-20 विश्व चैंपियन बनाने के बाद मौजूदा सत्र में आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के साथ काम कर रहे द्रविड़ ने कहा, क्रिकेट में अच्छा होना और सिर्फ क्रिकेट का अभ्यास करना निश्चित रूप से आपको कुछ सफलता दिलायेगा।

मैंने हालांकि जिन अच्छे और महान खिलाड़ियों के साथ काम किया है या ड्रेसिंग रूम साझा किया है उनमें एक चीज सामान्य देखी है, वह यह है कि वे वास्तव में अपनी क्षमता के बारे में जानते थे।'' टेस्ट क्रिकेट में द्रविड़ भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आप एक व्यक्ति के तौर पर खुद को पहचानते हैं और लगातार विकसित होते रहते हैं, तो आपके पास अपनी क्षमता को अधिकतम करने का सबसे अच्छा मौका होता है।द्रविड़ ने स्पष्ट किया कि वह तुलना में विश्वास नहीं करते। द्रविड़ ने कहा, ''यह व्यक्तिगत मामला है, आप खुद को दूसरे लोगों के साथ आंक नहीं सकते, खुद की तुलना दूसरे लोगों से नहीं कर सकते। आपका काम खुद से और आपको जो कौशल मिले हैं, उनसे सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करना है। यह तभी संभव है जब आप मैदान पर एक क्रिकेटर के रूप में और मैदान के बाहर एक व्यक्ति के रूप में भी विकसित होंगे।''

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'सरदार का ग्रैंडसन' के चार साल पूरे होने पर अभिनेता ने शेयर किया वीडियो क्लिप, लिखा भावुक नोट

18 मई 2021 में अर्जुन कपूर अभिनीत फिल्म सरदार का ग्रैंडसन रिलीज हुई, जिसने रविवार को अपनी रिलीज के चार साल पूरे कर लिए। इस मौके पर अभिनेता अर्जुन कपूर ने एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए भावुक नोट लिखा है। साथ ही हाल ही में दिवंगत हुई अपनी दादी को याद किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या लिखा।

अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी फिल्म सरदार का ग्रैंडसन के चार साल पूरा होने पर, बीते दिन रविवार को फिल्म का एक क्लिप अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। इस वीडियो में एक्ट्रेस नीना गुप्ता अभिनेता की दादी के रूप में दिख रही हैं, जो उन्हें समझाती बुझाती नजर आ रही हैं। इस क्लिप को शेयर करते हुए अर्जुन कपूर ने अपनी दिवंगत दादी निर्मल कपूर को याद करते हुए भावुक नोट लिखा है। फिल्म का क्लिप साझा करते हुए अर्जुन कपूर ने स्टोरी में एक नोट लिखा। उन्होंने कहा, 'अपने दादा-दादी के लिए मैंने अपने दिल का यह छोटा सा टुकड़ा चार साल पहले बनाया था। इस फिल्म को याद करके बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैंने दो सप्ताह पहले ही अपने आखिरी ग्रैंडपैरेंट को खोया है। मुझे उम्मीद है कि मेरे चारों ग्रैंडपैरेंट्स जहां भी होंगे खुश और मुस्कुराते हुए होंगे। रब रक्खा।' आपको बताते चलें कि इसी महीने 2 मई को 90 साल की उम्र में अभिनेता की दादी निर्मल कपूर का निधन मुंबई में हो गया था।

मेट्रो बाजार

भारत के साथ कायदे में रहो, नहीं तो कर्ज मिलना बंद हो जाएगा...!

आईएमएफ ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

नई दिल्ली। पाकिस्तान को बार-बार कर्ज देने वाली संस्था अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अब कड़ी चेतावनी दी है। आईएमएफ ने पाकिस्तान से है कि अगर उसने भारत के साथ संबंध खराब किए तो आगे से कर्ज मिलने में परेशानी आ सकती है। साथ ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को बेलआउट कार्यक्रम की अगली किश्त जारी करने के लिए 11 नई शर्तें रखी हैं। आईएमएफ ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि भारत के साथ तनाव बढ़ने से इस योजना के वित्तीय, बाहरी और सुधार लक्ष्यों को खतरा हो सकता है। नई शर्तों में एक नया 17.6 ट्रिलियन रुपये का

बजट शामिल है जिसे संसद से मंजूरी मिलनी है।

भारत को लेकर क्या कहा?- आईएमएफ ने शनिवार को एक स्टाफ लेवल रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव अगर जारी रहते हैं या और बिगड़ते हैं, तो कार्यक्रम के वित्तीय, बाहरी और सुधार लक्ष्यों को खतरा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएमएफ ने पाकिस्तान पर 11 और शर्तें लगाई हैं, जिससे कुल शर्तों की संख्या 50 हो गई है।

पाकिस्तान पर नई शर्त- आईएमएफ ने एक नई शर्त लगाई है कि जून 2025 के अंत तक कार्यक्रम के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026 के बजट को आईएमएफ स्टाफ समझौते के अनुसार संसद से मंजूरी मिलनी चाहिए। इसका मतलब है कि पाकिस्तान को 2026 के बजट को आईएमएफ के बताए अनुसार ही पास कराना होगा।

राहुल के शतक पर पत्नी अथिया ने लुटाया प्यार, सुनील शेट्टी ने दामाद को बताया 'तूफान'

अभिनेता सुनील शेट्टी अपने दामाद क्रिकेटर केएल राहुल की प्रशंसा करने और उनको चीयर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब एक बार फिर केएल राहुल के आईपीएल में ऐतिहासिक शतक जड़ने पर सुनील शेट्टी और केएल राहुल की पत्नी व अभिनेत्री अथिया शेट्टी ने राहुल की तारीफ की है और उनको चीयर किया है।

रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में केएल राहुल ने शानदार शतक जड़ा। ये शतक जड़ते ही राहुल आईपीएल के इतिहास में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी के लिए शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। राहुल की इस उपलब्धि पर ससुर सुनील शेट्टी और पत्नी अथिया शेट्टी ने राहुल को बधाई दी।

अथिया ने लुटाया प्यार- अथिया शेट्टी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिल्ली कैपिटल्स द्वारा राहुल की तारीफ करते हुए एक पोस्ट को फिर से शेयर किया। साथ ही कैप्शन में लिखा, बीस्ट के बल्ले से पांचवां आईपीएल शतक। इसे फिर से पोस्ट करते हुए अथिया ने बस एक लाल दिल वाला इमोजी जोड़ा। वहीं अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर राहुल की एक फोटो पोस्ट की और लिखा, एक तूफान। साथ में नीला दिल वाला इमोजी।

केएल राहुल ने आईपीएल में जड़ा पांचवां शतक

केएल राहुल ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर यह

रिकॉर्ड बनाया। यह केएल राहुल का पांचवां आईपीएल शतक है। इससे पहले उन्होंने पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए भी दो-दो शतक लगाए हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कोई शतक नहीं लगाया है। यह उनका पांचवां आईपीएल शतक और टी20 क्रिकेट में कुल मिलाकर सातवां शतक है।

अमेरिका ने भारतीय आमों की 15 खेप लौटाई, कागजी गलतियों को बताया वजह

मुंबई। अमेरिका ने भारतीय आमों की 15 शिपमेंट लॉस एंजेलिस, सैन फ्रांसिस्को और अटलांटा एयरपोर्ट्स पर रिजेक्ट कर दीं। इससे एक्सपोर्टर्स को 4 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों ने आमों के कागजी दस्तावेजों में गड़बड़ी का हवाला देते हुए इन्हें नष्ट करने या वापस भेजने का आदेश दिया है। एक्सपोर्टर्स ने बताया कि आम जल्द खराब होने वाली फसल है और वापसी का खर्च अधिक था, इसीलिए उन्हें अमेरिका में ही नष्ट कर दिया गया।

अमेरिका में फलों का इंपोर्ट करने के लिए इर्रेडिएशन प्रक्रिया अनिवार्य है। इस प्रक्रिया में फलों के कीटाणु मारे जाते हैं। प्रक्रिया होने के बाद एक्सपोर्टर को पीपीक्यू203 फॉर्म (कीट नियंत्रण प्रमाणपत्र) जारी किया जाता है। भारत में यह प्रक्रिया नवी मुंबई स्थित एक प्लांट में यूएसडीए(अमेरिकी कृषि विभाग) की निगरानी में होती है। 8-9 मई को यहीं से आमों के ट्रीटमेंट के बाद पीपीक्यू203 फॉर्म जारी किया गया था। शिपमेंट अमेरिका पहुंचने पर अधिकारियों ने दस्तावेजों में गलतियां पाईं।अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार, पीपीक्यू203 फॉर्म गलत तरीके से भरा गया था, जिसके चलते शिपमेंट रिजेक्ट हुईं। लेकिन यह गलती कीटों की मौजूदगी से जुड़ी नहीं थी, बल्कि फॉर्म भरने में रही खामियों की वजह से हुई।

डूब रहे दोस्त को बचाने रुपए-बाइक की चाबी तक देने राजी हो गए थे दोस्त पर मछुआरों ने नहीं की मदद

■ जो बचाने आया उसे भी लोगों ने पुलिस केस में फंसने का डर बताकर किया पीछे, नगर निगम के गोताखोरो की मदद से निकालना पड़ा शव

■ अमन ने की थी केरवा डैम जाने की जिद, बजरंग बली का रखा था उपवास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ स्थित केरवा डैम के पास ओवर फ्लो के गड्ढे में नहाने उतरे अमन विश्वकर्मा को बचाने उसके तीनों दोस्त, विक्रम, मोहित और तनिश ने पूरा प्रयास किया। दुर्गाभाग्यवश किसी को भी तैरना नहीं आता था। वे अपने गमछे से उसे बाहर निकालने का प्रयास करने लगे, लेकिन उनका प्रयास असफल रहा। आसपास मौजूद लोगों और मछुआरों से दोस्त को बचाने मिन्नतें मांगी, लेकिन किसी ने भी अमन को बचाने का प्रयास नहीं किया। एक व्यक्ति मदद के लिए आगे बड़ा तो वहां मौजूद लोगों ने उसे यह कहते हुए रोक दिया कि पुलिस केस में फंस जाओंगे। लिहाजा उसका भी मनोबल टूट गया। लिहाजा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने

गोताखोरों की मदद से लाश बाहर निकाली। तीन घंटे तक पानी में डूबे रहने के बाद भी दोस्त मानने को तैयार नहीं थे अमन उनके बीच नहीं रहा वह उसे लेकर निजी अस्पताल गए, वहां डॉक्टर ने बताया कि अमन की मौत हो चुकी है।

अमन ने की थी डैम चलने की जिद : मूलतः सतना निवासी अमन विश्वकर्मा पिता मनीष विश्वकर्मा (18) चार बहन भाइयों में दूसरे नंबर का भाई था। वह आईटीआई की पड़ाई कर रहा था। उसके पिता मंडीदीप स्थित फैक्ट्री में नौकरी करते हैं और परिवार करीब बीस साल पहले ही भोपाल में अर्जुन नगर, अयोध्या बायपास शिफ्ट हो गया था। अमन के दोस्त विक्रम साहू ने बताया कि अमन पड़ाई में होनहार था। हम लोग पहले भी केरवा डैम घूमने जा चुके है। अमन हमारे साथ पहली बार ही डैम गया था। दरअसल, अमन ने दोस्त के मोबाइल पर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो देखा था। वीडियो में उसने केरवा डैम देखा और घूमने की इच्छा जाहिर की। शनिवार को वह जिद करने लगा कि उसे केरवा डैम घूमना है।

एक ही बाइक पर सवार होकर निकले चारो दोस्त: विक्रम ने बताया कि अमन उसका बचपन का दोस्त है। दोनों दूसरी कक्षा से साथ पड़े हैं। अमन की जिद को देखते हुए वह अपनी ही बाइक से उसे केरवा डैम घुमाने जा रहा था। इसी बीच मोहित और तनिश ने जिद की तो उन्हें भी साथ चलना है। चारों एक ही बाइक से केरवा पहुंचे। वहां काफी सारे लोग घूमने आए थे। हम लोग भी डैम के पास घूम रहे थे। हम लोगों ने चिप्स खरीदी थी और चिप्स खा रहे थे, तभी अमन ने डैम के पास ओवरफ्लो वाले गड्ढे में पानी देखकर नहाने की जिद की। उसे मना किया, लेकिन वह नहीं माना। उसे लगा कि पानी कम है और वह नहाने के लिए उतर गया।

करीब 25 फीट गहरा था पानी: गोताखोर इमरान ने बताया कि पुलिस की सूचना पर वह ओमप्रकाश बाथम, आसिफ वसीर, और मधुकर सेन के साथ केरवा डैम पहुंचे थे। डैम के जिस गड्ढे में अमन डूबा था, वहां करीब 25 फीट गहरा पानी था। पानी में छलांग लगाकर करीक 45 मिनट की मशक्कत के बाद अमन का शव मिला। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन उसका शव लेकर सतना स्थित अपने पैतृक गांव चले गए। वहां अंतिम संस्कार कराया।

तीन साल से फरार आरोपी आरोपी गोलू चिकना गिरफ्तार

भोपाल। टीटी नगर थाना पुलिस ने तीन साल से फरार आरोपी गोलू चिकना को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एक दर्जन अपराध दर्ज है। उसके खिलाफ तीन स्थाई वारंट थे। पुलिस ने कोर्ट में पेश किया वहो से आरोपी को जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार सूचना मिली कि अड़ीबाजी और मारपीट के प्रकरण में फरार आरोपी पंकज दुबे उर्फ गोलू चिकना सुनहरी बाग में घूम रहा है। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी पंकज दुबे उर्फ गोलू चिकना पिता फूलचन्द्र दुबे (33) आई सेक्टर सुनहरी बाग, साउथ टीटी दबोच लिया। आरोपी वर्ष 2022 से फरार था और अपनी पहचान छिपाकर स्थान बदलकर फरारी काट रहा था।

नाबालिग से अवैध की शराब जब्त

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने देवकी गार्डन के पास से शनिवार रात एक 17 साल के नाबालिग से 85 क्वार्टर देशी शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत साढ़े 8 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस नाबालिग शराब तस्कर पर आबकारी एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अवैध शराब के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार देवकी गार्डन के पास एक नाबालिग अवैध शराब लिए खड़ा है। उसने झाड़ियों में देशी शराब के क्वार्टर छिपाकर रखा था, जिसे लोगों को बेच रहा था। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए दबोच लिया।

मोटर व्हीकल एक्ट में पिता पर हुई कार्रवाई, महिला बैंक मैनेजर को कुचला था, नोटिस देकर पुलिस ने छोड़ा

बैंक मैनेजर को टक्कर मारने वाला निकला नाबालिग, स्कॉर्पियों देने वाले पिता पर केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित नरेला शंकरी जोड़ के पास अयोध्या बायपास पर शनिवार सुबह स्कार्पियो की टक्कर से एचडीएफसी बैंक की महिला मैनेजर अमृता ओमकार की मौत हो गई थी। पुलिस ने जांच के बाद 16 साल के नाबालिग और उसके पिता हिरासत में लेकर पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि हादसे के समय नाबालिग स्कॉर्पियो चला रहा था। पुलिस ने पिता पर मोटर वीकल एक्ट की धाराओं के तहत आरोपी बनाया है, जबकि नाबालिग बेटे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है। बाल कल्याण समिति के समक्ष उसकी काउंसिलिंग कराने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार

अमृत एन्क्लेव निवासी अमृता ओमकार पत्नी अमित ओमकार (40) शक्तिनगर स्थित एचडीएफसी बैंक में मैनेजर थीं। शनिवार सुबह वह घर से ऑफिस जाने के लिए स्कूटी से निकली थीं। नरेला शंकरी जोड़ अयोध्या बायपास पर तेज रफ्तार सफेद रंग की स्कार्पियो क्रमांक एमपी 04 सीआर 0524 के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने गंभीर हालत में अमृता ओमकार को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई।

एक बार फिर हुई आरोपी चालक बदलने की साजिश: पुलिस ने बताया कि महिला बैंक मैनेजर को टक्कर मारने के बाद नाबालिग आरोपी चालक स्कार्पियो लेकर मौके से फरार हो गया था। हालांकि लोगों ने उसका पीछा भी किया। लोगों को पीछा करता देख नाबालिग स्कार्पियो एक कॉलोनी के गेट के पास खड़ी कर भाग निकला। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। तभी स्कार्पियो मालिक ने अपने ड्रायवर को गाड़ी लेने भेज दिया। पहले ड्रायवर ने पुलिस को बताया कि वह खुद गाड़ी चला रहा था और एक्सीडेंट उससे हुआ है, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के बाद हकीकत सामने आ गई। इससे पहले कुछ दिन पहले रोशनपुरा चौराहे पर स्कूल बस से महिला डॉक्टर आयशा खान की मौत के मामले में सडक हादसे को लेकर साजिश रची गई थी।

11 वीं का छात्र है नाबालिग आरोपी : एसआई सुदील देशमुख ने बताया कि स्कार्पियों से महिला बैंककर्मी अमृता ओमकार को स्कूटी को टक्कर मारकर मौत के घाट उतारने वाला नाबालिग 11 वीं कक्षा का छात्र है। उसकी उम्र 16 साल है और इसी साल उसने दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की है। पिता जयप्रकाश साहू निवासी चौपड़ा कला, खेती-किसानी करते हैं और बिल्डर भी हैं।

जमानत पर आए युवक को गोली मारने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

चार बदमाशों ने घर में घुसकर किया था जानलेवा हमला, किए थे दो फायर

भोपाल। जमानत पर जेल से आए हत्या का प्रयास के आरोपी पर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को ऐशबाग पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य की तलाश की जा रही है। आरोपी उसके घर धारदार हथियार और कट्टा लेकर घुसे थे और :देशी कट्टे से दो फायर भी किए थे। एक गोली उसकी जांघ के पास लगी थी। पुलिस ने बताया कि बाग फरहत अफ्जा निवासी अरमान खान (26) विगत 8 मई की शाम करीब चार बजे अपनी खाला शाहजहां के घर जा रहा था। वह उनके घर के सामने पहुंचा ही था कि तभी अयान के इशारे पर फैसल देशी कट्टा, आमिर सलमान तलवार और फाजिल छुरी लेकर आए और गाली-गलौज करते हुए फैजल से बोले कि मार अरमान को गोली। तभी फैजल ने जान से मारने की नीयत से अरमान पर देशी कट्टे से दो बार फायर कर दिए। एक गोली अरमान की दाहिनी जांघ को छूती हुई निकल गई। इस बीच अयान भी आ गया और झूमाझटकी करने लगा। तभी अरमान की खाला शाहजहां के लडके जैद व अकबर ने शोर मचा दिया। अरमान जान बचाने के लिए दौड़ता हुआ घर के भीतर घुसा तो हमलावर भी दौड़ते हुए भीतर घुस आए। जान बचाने के लिए अरमान ने खुद को ऊपर वाले कमरे में बंद कर लिया। इस पर चारों बदमाश दरवाजा तोड़ने का प्रयास करने लगे। तभी लोगों का शोर सुनकर चारों आरोपी नीचे आए और घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल में तोडफोड़ कर फरार हो गए। पुलिस ने हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और उस ओर जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किए।

सरेंडर करने से पहले फैसल को दबोचा: मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आयान (20) निवासी बाग फरहत अफ्जा ऐशबाग को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी गई। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी फैसल (21) निवासी औकाफ कॉलोनी, कोर्ट में सरेंडर करने की फिराक में है। लिहाजा पुलिस ने सरेंडर करने से पहले ही आरोपी को कोर्ट परिसर से हिरासत में लेकर दो दिन का पीआर लिया। आरोपी ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया। उसके कब्जे से एक देशी कट्टा बरामद किया गया है।

बाइक की टक्कर से गार्ड घायल

भोपाल। चूनाभट्टी स्थित निजी बैंक के सामने एक सिक्योरिटी गार्ड को बाइक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार ललिता नगर के पास ओमनगर में रहने वाले विनोद तागड़े सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। अट्ठारह मई की रात करीब बारह बजे वह चूनाभट्टी स्थित एचडीएफसी बैंक के पास थे, तभी चौराहे की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल विनोद को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें हमीदिया के लिए रैफर कर दिया गया।

वृंदावन ढाबा के सामने कांग्रेस नेता और साथी की पिटाई

मिसरोद पुलिस ने दर्ज किया काउंटर प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो। नर्मदा पुरम रोड पर देर रात वृंदावन ढाबा खाना खाने पहुंचे कांग्रेस नेता और उसके साथी के साथ ढाबा के कर्मचारियों ने मारपीट कर दी। विवाद होने के बाद कर्मचारी उन्हें बाहर लेकर पहुंचे थे, वहां उनके साथ पाइप से मारपीट की। पुलिस में कांग्रेस नेता की शिकायत पर ढाबा के तीन कर्मचारी पर मारपीट की धाराओं में प्रखंड दर्ज किया है, जबकि एक कर्मचारी की शिकायत पर कांग्रेस नेता और उसके साथी पर मारपीट का मामला दर्ज किया गया। पुलिस काउंटर प्रकरण दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अनुराग रघुवंशी अपने साथी अंशुल के साथ शनिवार रात वृंदावन ढाबा खाना खाने के लिए पहुंचे थे। उनका कहना है कि खाना खराब था। इस बात को लेकर उनके कर्मचारी से बहस हो गई। बहस बढ़ाने पर कर्मचारियों ने उन्हें ढाबा से बाहर निकाल दिया। अनुराग और अंशुल बाहर आए तो ढाबा के कर्मचारी भी उनके पीछे बाहर आ गए। इस दौरान गाली गलौज और बहस होने लगी। विवाद बढ़ने पर कर्मचारियों ने अनुराग और अंशुल के साथ प्लास्टिक के पाइप से मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने अनुराग की शिकायत पर ढाबा के तीन कर्मचारियों पर मामला दर्ज कर दिया है। इधर कर्मचारियों का आरोप है कि अनुराग और अंशुल ने उनके साथ मारपीट की। घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में आरोपी प्लास्टिक के पाइप से मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि अनुराग रघुवंशी कांग्रेस के नेता है।

रांग साइड पिकअप ने आरक्षक को मारी टक्कर, पुलिस ने किया केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी नगर स्थित आसाराम तिराहे पर रॉग साइड से चल रही एक बुलेरो पिकअप ने बाइक सवार आरक्षक को टक्कर मार दी। आरक्षक ने जब चालक को रॉग साइड वाहन चलाने का कारण पूछा तो उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दे डाली। राहगीरों ने बीच-बचाव किया तो आरोपी चालक वाहन लेकर मौके से भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार शिवांक भार्गव (26) शिवनगर करोंद थाना निशातपुरा में रहते हैं और सीहोर जिले की मंडी थानांतर्गत कुबेरेश्वर चौकी पर आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं। रविवार की रात करीब सवा आठ बजे वह ड्यूटी करने के बाद घर लौट रहे थे। गांधी नगर थानांतर्गत आसाराम तिराहा पुल के नीचे करोंद की तरफ मुडने लगे, तभी गांधी नगर से सुविध विहार की तरफ जाने वाली सड़क पर रॉग साइड से आ रही एक बुलेरो पिकअप वाहन के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही शिवांक बाइक समेत गिरकर घायल हो गए। उन्होंने पिकअप चालक से बोला कि रॉग साइड से वाहन क्यों चला रहे हो, इस पर चालक गाली-गलौज करते हुए धक्का मुक्की करने लगा। राहगीरों की भीड़ एकत्र होने पर चालक ने रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी देने लगा। लोगों ने जब बीच-बचाव किया तो वह मौके से वाहन लेकर भाग निकला।

मेट्रो एंकर आरोपी ने इंद्रानगर में बदमाश साद के साले फैसल पर की थी फायरिंग

जुबेर मौलाना गैंग का गुर्गा शरीफ बच्चा गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीला जमालपुरा पुलिस ने जुबेर मौलाना गैंग के सदस्य शरीफ बच्चा को गिरफ्तार कर किया है। आरोपी ने इंद्रा नगर में रहने वाले बदमाश साद के साले फैसल पर 6 मई को फायरिंग की थी। इसके बाद से ही फरार चल रहा था। 12 मई को पुलिस ने आरोपी जुबेर मौलाना सहित केस के अन्य तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपी शरीफ ने जहां फायरिंग की थी,

रविवार को उसका वहीं जुलूस निकाला गया। 6 मई को जुबेर मौलाना ने अपने 10-12 साथियों के साथ साद निवासी मंगलवारा के घर पहुंच कर साद समझ कर सैफ के ऊपर जान से मारने की नीयत से अवैध फायर आर्म्स से फायर किया। इसके बाद साद के साले फैसल जो कि इंद्रानगर थाना टीला जमालपुरा मे रहता है, उसके घर पर जुबेर मौलाना व उसके लगभग 10-12 साथियों ने आकर अवैध फायर आर्म्स से हवाई फायर किया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। रविवार को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि इस्लामी गेट के पास बैरसिया बस स्टैण्ड पर जुबेर मौलाना का गुर्गा शरीफ उर्फ बच्चा भोपाल से भागने की फिराक में खड़ा है। जिस के बाद पुलिस ने आरोपी शरीफ को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

जेल वारंट का अदेश सुनकर कोर्ट से भाग शराब तस्कर

भोपाल। बैरसिया न्यायालय परिसर में जेल वारंट का आदेश होते ही शराब तस्कर कोर्ट से भाग निकला। घटना शनिवार दोपहर की है। आरोपी पर वर्ष 2021 में आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया था। कोर्ट ने उसे अभिरक्षा में लेकर जेल भेजने के आदेश जारी किए थे। वह कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था। शनिवार को वह खुद ही कोर्ट में पेश हुआ इस बीच जेल भेजने के आदेश होते ही भाग निकला। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पारदी टपरा विदिशा रोड बैरसिया निवासी शैलेन्द्र राजपूत उर्फ राजा राजपूत (25) के खिलाफ साल 2021 में बैरसिया थाने में आबकारी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण हुआ था। लेकिन आरोपी कोर्ट पेशी पर नहीं पहुंच रहा था। कोर्ट से उसके खिलाफ वारंट जारी हुआ था। थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि शनिवार दोपहर आरोपी शैलेन्द्र राजपूत खुद ही कोर्ट में पेश हो गया था। कोर्ट ने उसके खिलाफ जेल वारंट जारी करते हुए केन्द्रीय जेल भोपाल भेजने के आदेश जारी कर दिए। यह सुनते ही आरोपी दबे पैर कोर्ट परिसर से फरार हो गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिरोंज जिला विदिशा (मप्र)

क्रमांक/निविदा/25/1045 **ई-टेंडर आमंत्रण सूचना** सिरोंज दिनांक 16/05/25

नगरपालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा का आमंत्रण किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि रुपए	ऑनलाइन निविदा का प्रपत्र मूल्य	समय अवधि
2025_UAD_421516_1	वार्ड 16 रिंकू कुशवाह से मेन रोड तक एवं बालाराम कुशवाह से मेन रोड तक सीसी रोड निर्माण	7,50,588	7,500/-	2,000	03 माह

शर्त - टेंडर डाक्यूमेंट के आधार पर निर्धारित सभी कर एवं शासन द्वारा निर्धारित जी.एस.टी. कटौत्रा किया जावेगा।

निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्तें एवं जानकारी https://mptenders.gov.in एवं नगर परिषद सिरोंज जिला विदिशा के लोक निर्माण विभाग शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिरोंज

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022